RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

शिव आमंत्रण

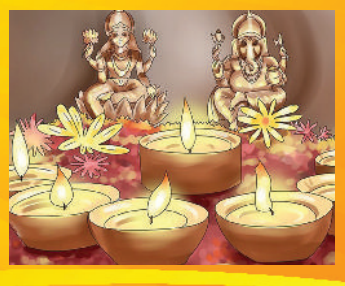

वर्ष: 5, अंक: 10 | RNI: RJHIN/2013/53539 | सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण | हिन्दी (मासिक), - 2017, अक्टूबर, सिरोही, पृष्ठ: 12, मूल्य: 7.50 रुपए

युवा प्रभाग की पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुभकामना से 'मेरा भारत स्वर्णिम भारत' का आगाज

छोटा सा दीपक नहीं, मशाल जल गई : नितिन पटेल

शिव आमंत्रण ■ अहमदाबाद

नये भारत निर्माण के लिए बुराईयों, आसुरी प्रवृत्तियों तथा नशा से मुक्त समाज ही नया भारत का प्रारूप है। इसके लिए ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के युवा प्रभाग के युवाओं ने आंदोलन छेड़ दी है। इस संकल्पना को साकार करने के लिए मेरा भारत स्वर्णिम भारत अभियान का आगाज अहमदाबाद के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम से कर दिया गया। मुख्य अतिथि गुजरात के उपमुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल, युवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने हरी झंडी दिखाकर पीस मैसेंजर बस को रवाना किया।

उद्घाटन अवसर पर राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने यात्रा के मैनेजर बीके मुकेश को मशाल थमाकर युवाओं में सकारात्मकता, स्वच्छता और आध्यात्मिकता की अलख जगाने का आह्वान करते हुए कहा कि परमपिता परमात्मा सर्व आत्माओं के प्रति शुभकामना रखते हैं। आत्मिक रूप से हम सभी भी आपस में भाई-भाई हैं। इसलिए हमें भी सभी के प्रति शुभभावना और शुभकामना रखना चाहिए। सदा ऐसा व्यवहार करें जो स्वयं के साथ दूसरों को भी सुख दें। अंतरराष्ट्रीय टैक्स एक्सपर्ट मुकेश भाई पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी का अभियान के प्रति शुभकामना संदेश का वाचन करते हुए कहा कि युवाओं का यह प्रयास आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। स्वर्णिम भारत निर्माण का यह कदम एक नयी क्रांति का आगाज करेगा। इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन के स्वतंत्र निदेशक परेन्दु भगत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। युवा प्रभाग की नेशनल को-ऑर्डिनेटर बीके चंद्रिका ने अभियान के उद्देश्य और रूपरेखा बताते हुए कहा कि इस अभियान में ऐसे युवा भाई-बहनें शामिल हैं जो निर्व्यसनी और बाल ब्रह्मचारी जीवन जी रहे हैं, ये हमारी सम्पदा हैं। ये युवा आज स्वर्णिम भारत का सपना लेकर निकले हैं। एक दिन यह भूमि शांति, एकता और स्वर्णिम भूमि होगी।

अहमदाबाद के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में अभियान का आगाज करते अतिथि।

3 साल
500 कार्यक्रम
100 शहर

यह अभियान तीन साल तक करीब सौ शहरों में अपना कार्यक्रम आयोजित करेगा। हजारों किमी की यात्रा करते हुए लोगों में इसके प्रति जागरूकता लायेगा। अभियान के दौरान सौ शहरों में पांच सौ से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

स्वच्छता है मन की सकारात्मकता

यह जानकर अति प्रसन्नता हो रही है कि राजयोग शिक्षा और शोध प्रतिष्ठान के युवा प्रभाग द्वारा तीन साल के लिए मेरा भारत स्वर्णिम भारत अभियान का आयोजन किया गया है। यह युवाओं में योग, स्वच्छता और सकारात्मकता का संदेश देने के लिए अति उपयोगी होगा। स्वच्छता केवल हमारे आस-पास की ही नहीं बल्कि मन की सकारात्मकता है। यह अभियान सफल हो ऐसी हमारी शुभकामनाएं।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री, भारत

छोटा सा दीपक उजाला कर सकता है, हमने तो आज मशाल जलाई है। यह अभियान राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। इससे लोगों में वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश जाएगा। जो काम राज्य और केंद्र सरकार को करना चाहिए, वह ब्रह्माकुमारीज़ संस्था कर रही है। इस अभियान से लोगों को स्वच्छता, आध्यात्मिकता और सकारात्मकता का संदेश मिलेगा। यदि हम मजबूत होंगे तो देश मजबूत होगा, क्योंकि व्यक्ति की मजबूती में ही देश की मजबूती है।

- नितिन भाई पटेल,
उपमुख्यमंत्री, गुजरात सरकार

जब से मैं संस्था से जुड़ा हूं मेरे अंदर काफी परिवर्तन आए हैं। पहले मुझे बहुत जल्दी गुस्सा आ जाता था और तनाव हो जाता था लेकिन मेडिटेशन के अभ्यास से अब जीवन में शांति की अनुभूति होती है। आज मैं बहुत खुश हूं कि मैं ब्रह्माकुमारीज़ का स्टूडेंट हूं। यहां के ज्ञान ने मेरा जीवन बदल दिया। - **उपेन पटेल,** फिल्म अभिनेता, मुम्बई

ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने बहुत ही अच्छा कार्य शुरू किया है। यह अभियान लोगों में जागृति लाएगा। लोगों में सामाजिक बुराईयों को दूर करने के साथ आध्यात्मिकता के प्रति जागृति लाना महान कार्य है। - **नरहरि भाई अमीन,** अध्यक्ष, गुजरात योजना आयोग, गांधीनगर

कॉन्सेप्ट बहुत ही यूनिक है। मेडिटेशन और योगा से ही हमारे अंदर सकारात्मकता को बढ़ा सकते है। इससे निश्चित ही युवाओं में परिवर्तन आएगा। हम सभी को बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी निभानी चाहिए। - **प्रणव अडानी,** निदेशक, अडानी ग्रुप, अहमदाबाद

अंदर पढ़ें.....

बाढ़ के तांडव में ब्रह्माकुमारीज़ बनीं देवदूत ...पेज-2

दादी प्रकाशमणि को भावभीनी श्रद्धांजलि ...पेज-3

अंतरराष्ट्रीय मैराथन दौड़ में दिखाया उत्साह ...पेज-7

ग्राम विकास रथ खोलेगा तरक्की के रास्ते : सैनी

कृषि विभाग और ब्रह्माकुमारीज़ के ग्राम विकास प्रभाग का आयोजन

शिव आमंत्रण ■ जयपुर

राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री प्रभूलाल सैनी ने कहा कि अभी तक जो खेती होती थी वह रासायनिक थी। परन्तु अब जो होने जा रहा है वह अद्वितीय है। ग्राम विकास प्रभाग द्वारा यह रथ गाँवों-गाँवों में जायेगा जिससे किसानों की दशा और दिशा दोनों ही बदल जायेगी। वे ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के ग्राम विकास प्रभा द्वारा किसान सशक्तिकरण अभियान के तहत राजापार्क सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह अभियान लोगों को शाश्वत यौगिक खेती के बारे में जानकारी देगा। इससे हमारे अधिकारी भी लाभान्वित होंगे और किसानों को भी फायदा मिलेगा। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि सामाजिक कुरीतियों से भी मुक्त होने में मदद मिलेगी। राजस्थान सरकार का कृषि विभाग आत्मा योजना के तहत हर गाँव और तहसील में संस्थान के साथ मिलकर किसानों के उन्नति के लिए कार्य करेगा। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग तथा प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तिगत सलाहकार शकील अहम कुरैशी ने कहा कि भारत सरकार तथा देश के प्रधानमंत्री जी किसानों के बेहतर विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहे है। भारत सरकार का कृषि मंत्रालय इस अभियान में जितना हो सकेगा मदद करेगा। यह पुण्य का कार्य है इससे लोगों की जिन्दगी बदल जायेगी। इस अवसर पर आत्मा योजना के निदेशक दयाल सिंह चौधरी तथा ग्राम विकास प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके राजू ने कहा कि हमारा प्रयास है कि प्रधानमंत्रीजी के सपने को साकार करते हुए जैविक और यौगिक खेती के लिए लोगों को प्रेरित करें। ...शेष ▫ पेज 5

कार्यक्रम का शुभारंभ करते राजस्थान के कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी व उपस्थित अन्य अतिथि।

बिहार से नेपाल तक पहुंचाई मदद

तबाही के भयानक मंजरों के बीच मददगार बनें तो खिल उठे चेहरे

बाढ़ के तांडव में ब्रह्माकुमारीज़ बनी देवदूत

शिव आमंत्रण ■
आबूरोड/मोतिहारी

बिहार से लेकर नेपाल तक इस कुछ समय पूर्व बाढ़ ने जमकर तबाही मचायी थी। जिसमें सैकड़ों लोगों की जान चली गयी थी तथा बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ था। ऐसे समय में जरूरत होती है कि लोगों की पूरी मदद की जाये। इसके लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने बिहार से लेकर नेपाल तक लोगों की खुले हाथों से मदद की। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के स्थानीय सेवाकेन्द्रों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू से भी संस्था से जुड़े सदस्यों का दल भेजा गया। जिससे वे करीब एक महीने तक लोगों की सेवा में लगे रहे।

मुख्यालय से भेजी राहत सामग्री

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू से बिहार में बाढ़ पीड़ितों की मददे के लिए खाने पीने तथा दैनिक उपयोग की

बिहार के मोतिहारी में राहत सामग्री बांटते बीके भाई व उपचार करते डॉक्टर।

वस्तुओं के साथ एक ट्रक तथा चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एम्बुलेंस एवं चिकित्सकों का दल लगातार लोगों की मदद की।

इस अवसर पर राहत सामग्री रवाना करते समय संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि पीड़ित लोगों की मदद करना मनुष्य का सबसे बड़ा कर्त्तव्य होना चाहिए। यही मानवता की सेवा है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के महासचिव बीके निर्वेर, सूचना निदेशक बीके करूणा ने भी कहा कि हमारा प्रयास है कि जल्दी से जल्दी लोगों को जरूरत की चीजें उपलब्ध करायी जाये और लोग इससे बच सके। सामग्री रवाना करते समय शांतिवन प्रबन्धक बीके भूपाल, शांतिवन के मुख्य अभियन्ता बीके भरत, बीके अमीरचन्द ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये।

स्थानीय सेवाकेन्द्रों ने भी की मदद

विपदा की घड़ी में बिहार के मुजफ्फरपुर में सबजोन प्रभारी बीके रानी, मोतीहारी सेवाकेन्द्र के भाई -बहनों का प्रयास तथा गोरखपुर के शाहपुर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके पारूल समेत कई लोगों की मदद की। बिहार के मोतीहारी में लोगों को खाद्य सामग्री के साथ दवाओं के वितरण में भी माउण्ट आबू से गये दल का प्रतिनिधित्व करते हुए जनता दल यूनाईटेड के विधान पार्षद सतीश ,पूर्व मंत्री बृज किशोर सिंह, नारायण मुनि, कौशल पाठक, सोमेश्वर पाठक, नीलम देबी, मोबारक, इन्तेजारुल, रामजय प्रताप सिंह एवं अन्य ने बधाई दी।

नेपाल में भी बढ़ाये मदद को हाथ

शिव आमंत्रण, विराटनगर। नेपाल में भारी बारिश ने ऐसी तबाही मचायी है कि कई जिले समुद्र बन गए हैं, सड़के सैलाब में तब्दील हो गई हैं। इस मुश्किल की घड़ी में ब्रह्माकुमारीज़ के विराटनगर सेवाकेंद्र द्वारा कटहरी में लोगों के लिए राहत शिविर लगाया गया और उन्हें जरूरत की तमाम चीजें मुहैया कराई गई। जिसके अर्न्तगत सेवाकेंद्र प्रभारी बीके गीता और बीके तुलसी समेत अनेक सदस्यों ने 120 परिवारों को राहत सामग्री वितरित की और मन को शांत व परिस्थितियों का सहजता से सामना करने के लिए आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाया। कटहरी के महेशपुर में भी 105 परिवार के लोगों को राहत का सामान दिया।

परमात्म ज्ञान के साथ बारिश की तबाही में मदद करते बीके सदस्य।

मे आयी सत्रह सदस्य टीम के सदस्यों में डॉ. गोपाल शर्मा, डॉ. देवेंद्र सचदेव, बीके विनोद, बीके जगदीश, बीके किशोर, बीके रोशन, बीके संतोष, राजेश, दुर्गा दास राठौर, समीर खान, अभय प्रताप आदि थे।

सांकेतिक भाषा में बनाया वीडियो : यू ट्यूब, इंटरनेट के माध्यम से देख सकेंगे

अब मूक-बधिर भी गा सकेंगे राष्ट्रगान

शिव आमंत्रण ■ गुरुग्राम

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान और साई स्वयं सोसाईटी के संयुक्त तत्वाधान में मूक बधिर लोगों के लिए राष्ट्रगान का सांकेतिक भाषा में विडियो तैयार किया गया है, ताकि मूक बधिर लोग राष्ट्रगान द्वारा देशप्रेम की भावनाओं से गर्व अनुभव कर सके। इस राष्ट्रगान के प्रारंभ में ओम् शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके आशा ने अपने संबोधन में कहा, कि यह प्रस्तुति प्रत्येक भारतीय में एकता और समरसता लाने का आधार बनेगी। टेलीविज़न फीचर मीडिया हाउस द्वारा फिल्माया गया यह राष्ट्रगान टीवी, यू ट्यूब आदि इंटरनेट चैनल्स के माध्यम से देखा जा सकता है।

गुरुग्राम ओआरसी में सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान प्रस्तुत करते बीके भाई-बहनें।

ब्रेल में राजयोग पुस्तक का प्रारंभ

चिकमंगलूर। कर्नाटक में चिकमंगलूर आशा किराना मक्काला स्कूल में ब्रेल लिपी में राजयोग पुस्तक के शुभारंभ अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें डॉ जे. पी. कृष्णेगावडा, आशाकिराना के सेक्रेटरी वानी चंदरैय्या नायडू, कोषाध्यक्ष आशाकिरन एवं बीके भाग्याक्का समेत अन्य लोग उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बीके भाग्याक्का ने कहा, कि कोई भी मनुष्य ईश्वरीय ज्ञान से अनभिज्ञ नहीं होना चाहिये इसलिये राजयोग ब्राइल बुक को बनाया गया है, डॉ जे. पी. कृष्णेगावडा ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जाने वाली सेवाओं की सराहना की और माउंट आबू में हुये अनुभव को सबके साथ साझां किया ।

चिकमकलूर में ब्रेल लिपी में राजयोग पुस्तक का विमोचन करते अतिथि व कानपुर में पुस्तक भेंट करती बीके दुलारी।

ब्रेललिपी में राजयोग शिविर पुस्तिका विद्यार्थियों को भेंट

कानपुर। बरा म ब्रह्माकुमारीज़ एव भारतीय उद्यमा परिषद के संयुक्त तत्वाधान में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिये ब्रेललिपी में राजयोग शिविर पाठ्यक्रम की पुस्तिका भेंट करने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय उद्यमा परिषद के अध्यक्ष पद्मा शुक्ला, प्रधानाचार्य इंद्रजीत सिंह, मेनेजर रिटायर्ड डिप्टी एसपी श्याम त्रिपाठी, बीके दुलारी एवं बीके शशि मुख्य रूप से उपस्थित थी।

मीडियाकर्मी अपनी लेखनी का प्रयोग समाज के विकास के लिए करें : दादी

कार्यक्रम में मौजूद सिरोही जिले के पत्रकार।

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के शांतिवन में जिलेभर के मीडियाकर्मियों के लिए स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से आये सैकड़ों पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा, कि मीडिया समाज का प्रहरी है। इसे समाज में सूचना के साथ जागरूक करने का भी कार्य करना चाहिए। यदि मीडियाकर्मियों की लेखनी समाज के विकास के लिए होती है तो वे सही मायने में मार्गदर्शक की भूमिका में हैं। कार्यक्रम में संस्था के मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करूणा ने कहा कि वर्तमान में आत्म-सशक्तिकरण की अत्यन्त आवश्यकता है। इसलिए प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष का आयोजन समाज में नयी चेतना पैदा करेगा। माउण्ट आबू पालिका चेयरमैन सुरेश सिंघल ने सभी मीडियाकर्मियों से अपील की कि वे समाज में बढ़ रहे अशांति और भ्रष्टाचार जैसी बुराईयों को समाप्त करने की भूमिका निभाये। इस अवसर पर शांतिवन प्रबन्धक बीके भूपाल तथा कार्यक्रम प्रबन्धिका बीके मुन्नी, शांतिवन के मुख्य अभियन्ता बीके भरत, पत्रकार बीके अवतार तथा ब्रह्माकुमारीज़ के पीआरओ तथा गॉडलीवुड स्टूडियो के समाचार विभागाध्यक्ष बीके कोमल ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, कि हमें अपने अन्दर की शक्तियों को बढ़ाना होगा। इसके बाद पत्रकारों को ईश्वरीय संदेश दिया गया।

उच्च जीवन के लिए व्यंजन की भूमिका

जिह्वा के वशीभूत हो अखाद्य को खाना बुद्धिमत्ता नहीं

राग-द्वेष, काम- क्रोध, आदि दुर्गुणों में व्यस्त रहने वाले रजोगुणी कहलाते हैं। वे प्याज-लहसुन, इमली-खटाई, नमकीन आदि उष्ण पदार्थों को खाना पसन्द करते हैं। वे तीखे मिर्च-मसाले, गर्म चाय, कॉफी, दूध, उत्तेजित करने वाले भुने पदार्थ, जलन करने वाली लौंग-इलायची, तेजपत्र और रोग-शोक पैदा करने वाले फिज में रखे वासी भोजन आदि के आदती बन जाते हैं। इसी कारण अधीर, अहंकारी, निर्दयी, मिथ्याभाषी, दम्भी और मान-अपमान से टूटते-जुटते रहने वाले वे लोग अवगुणों के सागर कहलाते हैं।

- बीके रामलखन, शांतिवन

जबकि अधपका, नीरस, बासी, दुर्गन्ध भरे जूठे, अपवित्र मांस-मदिरा जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले तामसिक कहलाते हैं। हल्केपन की बजाय उनमें सदा ही उच्छृंखलता, मगरूरी छाई रहती है। ऐसे लोग जड़ता, प्रमाद-आलस्य, अहंकार से भी घिरे रहते हैं। अच्छे लोगों को दबाये रखने के लिये ये कल-बल-छल का प्रयोग करते ही रहते हैं। परिणामस्वरूप खुद भी जड़ता, मोह, विषाद, कलह-क्लेश, रोग-शोक से हमेशा घिरे रहते हैं। ऐसे मन्द-बुद्धि बन, निद्रा-तन्द्रा, आलस्य, अज्ञानता से दबे हुए लोग आध्यात्मिकता को कुछ भी नहीं समझते हैं। कलियुग में ऐसे तमोप्रधान लोगों की चारों ओर भरमार है। भोजन के सुचारु पाचन के लिये हमारे पेट में 28-29 फुट लम्बी अन्न नलिकायें होती हैं। इस तन्त्र में मुख, अन्न प्रणाली आमाशय, पक्वाशय, छोटी आंत, मलाशय, मलद्वार, पाचक ग्रन्थियाँ, यकृत तथा अन्नाशय सम्मिलित हैं। मुख में भोजन उचित रीति से चबाने से लार मिलकर उसे शर्करा में बदल देती है। अम्लयुक्त शराब-सिरका, शीतल पेय आदि चबाये नहीं जाते, जिस कारण योगियों के लिये इनका सेवन वर्जित है। मुख से भोजन एक फुट लम्बे आमाशय में ढकेल दिया जाता है। वहाँ पाचक रस निकल कर भोजन में मिल जाते हैं। जहाँ तीन-चार घण्टे तक भोजन की अच्छी पिसाई हो जाने पर 10 इंच लम्बे पक्वाशय में जाकर यकृत की पित्त का उसमें समिश्रण हो जाता है। क्षारीय पित्त व क्लोम रस के मिलने पर भोजन का सार तत्व अंग-प्रत्यंगों द्वारा चूस लिये जाते हैं। फिर वह चार-पाँच फुट लम्बी बड़ी आंत में चला जाता है। इसी का अन्तिम सिरा मलाशय कहलाता है। जहाँ से मल बाहर निकल जाता है। जलीय आचूषण वहीं बड़ी आँत में अच्छी रीति हो जाय तो गैस बने बगैर बंधा हुआ मल बाहर निकल जाता है। फिर तो कौन-कौन-सा भोजन शरीर के लिये अनुकूल है और कौन-सा प्रतिकूल इसका ज्ञान हमें जरूर होना चाहिये। जिह्वा के वशीभूत हो, अखाद्य पदार्थों को खाना बुद्धिमत्ता नहीं है। भोजन से जीवन-यात्रा ही नहीं चलती परन्तु हमारे मन-बुद्धि-संस्कार का भी निर्माण होता है अर्थात् जैसा भोजन, वैसा ही जीवन बनता है।

आज बिना रेसे वाला अधिक भोजन या फास्ट-फूड खाकर, पचाने में लोग

शक्तियों का अपव्यय करते रहते हैं। ऐसे मोटे लोगों में रोगों से लड़ने की शक्ति ही नहीं बच पाती है। समयानुकूल विजातीय तत्वों को निष्कासित करते रहने से वजन संतुलित हो, कार्य-क्षमता को बढ़ाता है। जुकाम-बुखार जैसे रोगों को दवा-दारू से छेड़ा न जाये तो वे भी हमें स्वच्छ-स्वस्थ बनाकर चले जाते हैं। पेट में जो भी स्वीकार किया जाता है, उसका कूड़ा-करकट आंतों में सड़ते रहने से ही नाना प्रकार की विकृतियाँ पैदा हो रही हैं। इनके सड़न की गैस अंग-अंग में पहुँच कर भयंकर बाधायें पैदा करने लगती हैं। आँतें सड़े हुए मल के विष को चूसकर रक्त में मिलाती रहती हैं। इसी से अंग-अवयव भी शिथिल, कमजोर होने लगे हैं। वर्षों बीतने पर मस्तिष्क भी निकम्मा हो जाता है। तेज दवाओं से मल साफ करने से आमाशय अपना स्वाभाविक कार्य न कर और भी तेज दवाईयां माँगने लगता है। प्राकृतिक खाद्य खाते रहिये तो कभी भी कब्ज नहीं रहेगी। कब्ज के विचार शौचालय में नहीं अपितु भोजनालय में चलाईये। ...क्रमशः

मानवजाति की प्रेरणास्त्रोत

दादी प्रकाशमणि को भावभीनी श्रद्धांजलि

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड़

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की दसवीं पुण्य तिथि विश्व बन्धुत्व दिवस के रुप में मनायी गयी। इस अवसर पर संस्था केवरिष्ठ पदाधिकारियों समेत देश के कोने-कोने से आये हजारों लोगों ने श्रद्धाजंली अर्पित की।

प्रभावशाली व्यक्तित्व की धनी राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी इस संसार में न केवल महिलाएं बल्कि समस्त मानवजाति के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी। वे वात्सल्स और प्रेम की प्रतिमूर्ति थीं जिनके सानिध्य से चाहे बच्चा हो या बूढ़ा हर कोई

प्रकाशस्तंभ पर दादी प्रकाशमणि को श्रध्दांजलि अर्पित करते वरिष्ठ भाई-बहन।

उनका हो जाता था।

इस मौके पर संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव बीके निर्वैर, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, पूर्व में दादी प्रकाशमणि जी के सानिध्य में रहने वाली और शांतिवन की कार्यक्रम प्रबंधिका बीके मुन्नी समेत सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों व शांतिवन निवासियों ने भी पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके सानिध्य में बिताए लम्हों को अनुभवों को शब्दों में बयाँ किया।

इस दौरान

विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में शांतिवन में कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। जिसमें संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, शांतिवन के मुख्य अभियंता बीके भरत, दिल्ली के पाण्डव भवन की निदेशिका बीके पुष्पा, नगरपालिका अध्यक्ष सुरेश सिंदल, यूएसए में ग्लोबल पीस एण्ड प्रॉसपर्टी इनिशिएटिव की फाउंडर डॉ. पाउले फेलिंघम, यूआईटी के अध्यक्ष सुरेश कोठारी समेत कई विशिष्ट लोगों ने विश्व बंधुत्व की भावना पूरे विश्व में जागृत करने में दादी जी को अनूठी मिसाल बताया।

सदाचार से घटेगा अपराध-जस्टिस बदीहाल

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के दसवीं पुण्य तिथि के उपलक्ष्य में विश्व बन्धुत्व दिवस का आयोजन किया गया। इसमें माउण्ट आबू तथा आबू रोड के अपने स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावानों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बदीहाल आरबी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान जात-पात से ऊपर उठते हुए पूरे विश्व के लिए कार्य कर रही है। यदि समाज में मूल्यों का समावेश हो तो समाज से अपराध पर अंकुश पाया जा सकता है। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान मेधावी बच्चों का सम्मान करना इस बात का प्रतीक है। इससे बच्चों का मनोबल बढ़ता है। मूल्यनिष्ठ समाज की

स्थापना में बड़ी सहायक सिद्ध होगा। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि बच्चों को जीवन में हमेशा मूल्यों को स्थान देना चाहिए। इससे जीवन में आंतरिक विकास होता है। दादी ने हमेशा बच्चों के बेहतरी के लिए मूल्यों के प्रति प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में माधव विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ. रेवत ने कहा, कि यह एक गौरवान्वित करने वाला क्षण है जब बच्चों को सम्मानित किया जा रहा है। आबू रोड नगरपालिका के चेयरमैन सुरेश सिंदल ने कहा, कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था हमेशा लोगों के विकास के लिए प्रयासरत रहती है। चाहे वह आपदा प्रबन्धन हो या किसी भी तरह का संकट हर समय लोगों की मदद में खड़ी रहती है। भाजपा के नगराध्यक्ष राजेन्द्र गोयल ने भी बच्चों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में माडर्न इस्स्ट्रूलेटर के कार्यकारी निदेशक डीबी देशपांडे, माधव विश्वविद्यालय के फार्मेसी के डीन पंकज अरोरा तथा लॉ विभाग के डीन जयवीर सिंह, कार्यक्रम प्रबन्धिका बीके मुन्नी, बीके शारदा, बीके भरत रोटरी क्लब के अध्यक्ष अजय सिंह, रिको के प्रबन्धक आरसी वैष्णव, उमरनी की सरपंच चम्पा देवी, उपसरपंच नन्दा देवी समेत कई लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

हुआ सम्मान

सिरोही जिला पूरे राजस्थान में दूसरा पिछड़े इलाकों में आता है। ऐसे में प्रोत्साहन के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने पहल करते हुए आबू रोड तथा माउण्ट आबू में स्कूलों में टॉप करने वाले बच्चों को आबू आदर्श विद्यार्थी अवार्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रथम स्थान रखने वाले छात्रों को मेडल, सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस क्रम में कुल 60 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसमें उनके माता-पिता के साथ रिश्तेदार भी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

अज्ञान अंधकार मिटाने अन्तर्मन का दीप जले

पर्वों की श्रृंखला में रोशनी से जगमग करने वाला त्यौहार दीपावली है। भारत सहित पूरी दुनिया में जहां भी भारत की संस्कृति के माटी से जुड़े लोग है। वे सभी लोग दीपक जलाकर इस पर्व को मनाते है। इसके पीछे कई किंवदंतियां है। एक तो यह कि जब पुरूषोत्तम श्रीराम ने रावण का वध कर अयोध्या लौटे तो उनके खुशी में दीपक जलाकर उनका भव्य स्वागत किया गया था। दूसरा यह कि दीपक जलाकर लक्ष्मी का आह्वान करते है। यही नहीं इसके रस्म रिवाज भी बड़े आध्यात्मिक रहस्यों से भरे पड़े हैं। दीपों को जलाने से पहले जिस तरह से घर की स्वच्छता का ध्यान रखा जाता है। वह कई मायनों में बहुत महत्वपूर्ण होता है। दीप अर्थात अंधकार को चीरकर प्रकाश देना जिससे एक ऐसा प्रकाश जिसमें हर कोई सब कुछ देखें और खुश रहे। परन्तु हर वर्ष दीप जलाने, सफाई करने से ना तो लक्ष्मी का वास होता और ना ही अंधकार मिटता। हम स्थूल अंधेरे की बात नहीं कर रहे और ना ही घर की सफाई की। बल्कि सबसे पहले तो यह है कि मनुष्य अपने शरीर रूपी घर की सफाई करें जिसमें मन की भी स्वच्छता शामिल है। और दूसरा अन्तर्मन में ज्ञान का दीपक जलाये। क्योंकि ज्ञान के दीपक जलाये समाज से आसुरी प्रवृत्तियों और राक्षसी वातावरण का प्रभाव समाप्त हो सके। वास्तव में यह सब यादगार परमपिता परमात्मा शिव का है जिन्होंने कलियुग के अन्त तथा सतयुग के आदि संगमयुग में आकर सर्व मनुष्यात्माओं के आत्मा की ज्योति जलाई थी जिसके बाद हर घर में लक्ष्मी का वास था और अज्ञान की जगह ज्ञान का प्रकाश था। इसलिए ही उस दुनिया को स्वर्णिम अर्थात सोने की चीड़ियां कहा जाता था। आज जरूरत है कि मिटटी के दीपकों की जगह अन्तर्मन की आत्मा में स्वच्छता और ज्ञान का दीप जलाने की। यही वह समय है जब परमात्मा ज्ञान के घृत से हर आत्मा की ज्योति जगा रहे है। तभी सच्ची-सच्ची दीपावली होगी।

हमेशा मन की पॉजिटीव प्रोग्रामिंग करें

हां पर एक सवाल है कई बार ऐसा होता है कि जिंदगी में जो हो रहा होता है जैसे कि

उनके इन्फॉर्मेशन से मुझे शायद फायदा तो होगा लेकिन अभी के जो परिस्थितियां है जो मैं जिंदगी जी रही हूँ वह इसके अपॉजिट है। शायद ना मेरे पास घर में उतना पैसा है जिसे जिंदगी को मैं बोल सकूं कि मैं बहुत खुश हूं, शायद मेरे पास उतनी योग्यता नहीं है कि मैं यह बोल सकूं कि मैं बहुत इंटेलिजेंट हूं, शायद मेरे पास इतना समय भी नहीं है जिंदगी में पॉजिटीवीटी को अपने जीवन में लाने के लिए। ऐसे ही मैं इंफॉर्मेशन को कैसे मानु कि जब तक मैं मानूंगी नहीं तब तक तो उसका वैल्यू नहीं होता है। अगर मुझे यह मालूम ही नहीं कि मैं बहुत ज्यादा खुशनसीब हूं तो शायद वह चीज ज्यादा असर नहीं करेगी। अभी जो वर्तमान में समस्या चल रही है तो उससे कैसे डील करें? अगर इंफॉर्मेशन से वह ठीक हो जाता है आपको ऐसा लगता है बिल्कुल तो फिर वह किस तरह से होगा?

बीके शक्ति

अच्छा हमें क्या करना पड़ेगा हमारा फोकस सिर्फ शिफ्ट करना पड़ेगा। यदी हम बहुत ज्यादा नेगेटिव

Mind Power

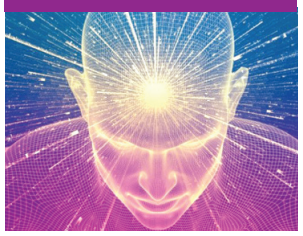

कंडीशन में रहते हैं तो हम फोकस नेगेटिव में कर रहे हैं। तो हमें अपने फोकस को शिफ्ट करना पड़ेगा पॉजिटिविटी में। मुझे बहुत अच्छी बात चार्ली चैप्लिन की याद आती है कि जब वह बहुत गरीब थे खेत में जो भी नौकरी करते थे उस समय दिमाग में यह रखते थे कि मैं हॉलीवुड का टॉप स्टार बनूंगा और वह रियल में बन गए। तो हम अपने माइंड को जैसे दिशा देंगे। जैसे हम हमारे माइंड को प्रोग्रामिंग देंगे उस दिशा में हमारा माइंड चला जाता है। यदि हम अपने दिमाग को डायरेक्शन ही नहीं दे रहे हैं कि क्या करना है तो डेफिनेटली वो अपनी मर्जी से चलेगा। हमारा माइंड एक बच्चा है यदि बच्चे को बताएंगे नहीं कि क्या करना है तो वह कुछ भी करेगा कोई भी शरारत करेगा। गुलाब का फूल उठाएगा, पानी की बोतल उठा सकता है मतलब कुछ भी कर सकता है। यदि उसको बता दिया कि यह प्रोग्राम आपकी लाइफ को चेंज करने में आपकी सहायता करेगा।

'सूचना-प्रौद्योगिकी को आध्यात्मिका से जोड़ें'

मेरी कलम से

यह आलेख भारत सरकार के केन्द्रियमंत्री रविशंकर प्रसाद से बातचीत पर आधारित है।

ब्र ह्माकुमारीज सार्थक बदलाव का बहुत बड़ा कार्य कर रही है। यह परिवर्तनकारी बदलाव है। इसमें काफी लोग जुड़े हुए हैं। यह एक बहुत बड़ा आंदोलन है। मुझे ध्यान केंद्र मे जाने का अवसर मिला और एक मिनट में शांति की गहरी अनुभूति हुई। आप यहां अमृत के सागर के पास प्यास बुझाने का दरिया है।

ग्लोबल और लोकल इंटरनेट में संबंध मजबूत होना चाहिए। इंटरनेट मात्र कुछ व्यक्तियों की जागीर नहीं है। यह समस्त मानवजाति की सम्पत्ति है। इंटरनेट आज पूरी दुनिया की विरासत बनती जा रही है। सबके लिए वह उपलब्ध होना चाहिए। भारत की विरासत क्या है? उसको ढूंढ कर दुनिया के सामने रखना का प्रयास करना चाहिए। विज्ञान, दर्शन और आध्यात्म भारतीय परंपरा का मूल है। सूचना और प्रौद्योगिकी के कारण आज एक बटन क्लिक करते ही कोई भी प्रकार की सूचना मिल जाती है। आज सूचना, संचार, डेटा भी पॉवर है। सूचना प्रौद्योगिकी आज विश्व में इस कारण बहुत ही बलशाली है। आज दुनिया भी मानती है कि सूचना क्रांति है, तकनीक क्रांति है और डेटा की उपलब्धता की क्रांति है। हम सस्टेनेबल डेवलपमेंट की बात करते हैं लेकिन उसके पहले फेथ की बात करते हैं। फेथ के बारे में हमारा दृष्टिकोण क्या है? ऋग्वेद में एक बहुत अच्छी सूक्ति है - एकम् सदवे प्रा बहुदा वदन्ति।

उसका अर्थ है सत्य एक और अखण्ड है। तुम अपने रास्ते से सत्य की खोज करो, मैं अपने मार्ग से सत्य की खोज करूंगा। तुम मेरे मार्ग का सम्मान करो, मैं तुम्हारे मार्ग का सम्मान करूंगा। क्योंकि तुम्हारे मार्ग और मेरे मार्ग का एकमात्र लक्ष्य है परम सत्य। परम सत्य, अनंत, अखण्ड सत्य। परम सत्य की यह आध्यात्मिक परंपरा बहुत ही डिवाईन है। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर यह भारतीय आध्यात्मिक परंपरा की बहुत बड़ी विचारधारा है। आपसे मैं आग्रह करूंगा कि ये जो ऋग्वेद के सूत्र हैं इनसे निकलता है शांततापूर्ण सहअस्तित्व और आंतरिक अस्तित्व को विकसित करना। दिक्कत तब होती है जब हम, 'मेरा मार्ग ही सही है' बोलते हैं।

मैं सदा कहता हूँ ये भारत का दर्शन है, ये भारत के आध्यात्मिकता का सार है। जब आप शांततापूर्ण सहअस्तित्व की बात करते हो ना तब क्या संदेश आता है? सर्वे भवन्तु सुखिना, सर्वे सन्तु निरामया। सर्व प्रगति करे, सर्व खुश रहे, सर्व एक दूसरे के साथ अच्छा व्यवहार करें। जो भारत के आध्यात्मिक चिंतन और सोच के सार हैं इसको आईटी के माध्यम से आप इफेक्टिवली कम्युनिकेट कर सकते हैं। दुनिया सुनने को तैयार है।

जब शिवानी बहन कुछ बताये तो उसके सार को भी कम्युनिकेट करें। भारत के सूचना और प्रौद्योगिकी के लोग 80 देशों के 200 शहरों में काम करते हैं। उसमें 40 लाख प्रत्यक्ष सेवा देते हैं। उसमें एक तिहाई महिलाएं हैं यह गौरव की बात है।

बढ़ रहा है अध्यात्म में रुझान

आज पूरी दुनिया का रूझान तेजी से आध्यात्मिकता की ओर से बढ़ रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े लोगों को चाहिए कि वे तेजी से बेहतर समाज बनाने में मददगार बने और प्रचार प्रसार करें। ब्रह्माकुमारीज संस्थान बेहतर समाज बनाने का अच्छा प्रयास कर रही है। इसलिए ऐसे कार्य में सूचना से जुड़े लोगों को प्रचारित करना चाहिए।

अक्षुण्ण रहनी चाहिए देश की आध्यात्मिक विरासत

कबीर दास ने कहा था कि साईं इतना दीजिए जामें कुटुम्ब समाय, मैं भी भूखा ना रहूँ और कोई ना भूखा जाये। सस्टेनेबल डेवलपमेंट का यह इसेंस है। समाज को सही दिशा में ले जाने के लिए नैतिक शक्ति अति महत्वपूर्ण है। इतने आक्रमण होते हुए भी भारत के लोग कैसे जिए? मुझे संशय नहीं कि भारत एक दिन सर्वोच्च सत्ता बना रहेगा। सिर्फ मिलिट्री, इकॉनामिक और एकेडमिक नहीं होगा। स्पीरिचुअल पावर होगा। भारत का मोरल फायबर। यह मोरल फायबर हमारे साधु संतों की एक बहुत बड़ी देन है। अहंकार और क्रोध को काबू मे रखेंगे तो आपको इसका जवाब मिलेगा, अहम् से मुक्त। अपने मॉरल फायबर को समर्थ बनाओ तो बाकी आईटी प्रोफेशनल की तुलना में आप सदा आगे रहेंगे। भारत के आईटी प्रोफेशनल अलग क्या करेंगे। वह मोरल फायबर की श्रेष्ठ शक्ति डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लायेंगे। भारत की आध्यात्मिक विरासत को आगे ले जायेंगे।

बेहतर पाचन के लिए योग आसन

यो ग बहुत कार्यात्मक टूल है। एक बार आप योग करना आंरभ कर दें तो आप पाचन, ऐंठन होने, सूजन व कब्ज जैसी समस्याओं से निजात पा सकते है। भले ही पाचन सम्बन्धित ज्यातार सामान्य बिमारियां जानलेवा नहीं होती है लेकिन इनकी वजह से व्यक्ति को काफी तनाव हो सकता है, खासतौर पर अगर यह समस्या बार-बार होती हो। योग गोलियां खाए बिना ही बहुत सी समस्याओं से निजात पाने में मदद कर सकता है। योगासन में ऐसी कई मुद्राएं है जो पाचन तंत्र को साफ करने, प्रेरित करने और अच्छा बनाने में मदद करती है। खाने के ठीक बाद योग का अभ्यास करना अच्छी बात नहीं, लेकिन अगर आप खाने के कुछ घण्टों के बाद या दिन के समय किसी भी प्रकार की सूजन, गैस या अपच महसूस कर रहे है, तो यहां कुछ योग अभ्यास दिए गये है, जिन्हें आप आन्तरिक शुद्धता पाने में अपने रूटिन में शामिल कर सकते हैं:

◆ **पवनमुक्त सनः** अगर आप निष्क्रिय पाचन से परेशान है या फिर यदि गैस बन रही है, तो पवनमुक्त सन योग बहुत सफल है। इस मुद्रा को आराम से करें और यह सुनिश्चित करें कि इसे अपनी साँसों से संयोजित करने की कोशिश करें, अपने घुटनों को अपनी छाती के पास लाते हुए सांस छोड़ें, और इन्हें दूर ले जाते हुए साँस अन्दर लें। सोने से पहले इसका अभ्यास करें।

◆ **अर्द्ध-मत्सयासनः** अर्द्ध-मत्सयासन पाचन को बेहतर करने के लिए काफी मददगार है ओर यह आसन कोई अपवाद नहीं हैं। इसमें पाचन-तंत्र को साफ करने की व्यापक क्षमता है। आप यह भी सोच सकते है कि मरोड़ने का जैसा प्रभाव कपड़ों पर पड़ता है, वैसा ही प्रभाव आपके पाचन तंत्र पर भी पड़ता है। आप टॉक्सिन को बाहर निचोड़ देगें।

◆ **मयूरासन :** मयूरासन को पिकोक पॉज भी कहते है, अगर आप अच्छी तरह से इस मुद्रा का अभ्यास करते है, तो आप अपनी इच्छा से कुछ भी खाने और बेहतरीन पाचन क्षमता रखने में सक्षम होगें। इस मुद्रा के दौरान, आप अपनी भुजाओं पर अपने धड़ के भार को सन्तूलित करके पाचन अगों पर दबाव बनाने में सक्षम होगें जो कुछ क्षण के लिए पाचन अगों में रक्त की आपूर्ति को काट देगा। फिर, जब आप इस मुद्रा से हटेंगे, तो ढेर सारा ताजा, ऑक्सीजन से भरा रक्त पाचन अगों में प्रवाहित होगा और उनकी कार्य-प्रणाली को बेहतर करेगा।

गीता वर्तमान परिप्रेक्ष्य में

बीके हरीलाल

मनुष्य के उत्थान और जीवन शैली में श्रीमद भगवद् गीता का महत्वपूर्ण स्थान है। पूरे विश्व की आबादी के विश्व की बीस प्रतिशत आबादी भगवद् गीता पर विश्वास करती है। गीता एक ऐसा ग्रन्थ है जिसके बारे में माना जाता है कि स्वयं परमात्मा ने यह ज्ञान दिया था। आज के समय में भी यदि गीता के वास्तविक रहस्यों को जीवन में अपनाया जाये तो मनुष्य का जीवन सफल और महान बन सकता है। क्योंकि भगवद् गीता में ज्ञान, योग, जीवन शैली, धर्म, अध्यात्म और परमात्म प्राप्ति के मार्ग दर्शाये गये है। इसी को ध्यान में रखते हुए गॉडलीवुड स्टूडियो की तरफ से गीता वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आध्यात्मिक विश्लेषण के साथ एपिसोड बनाया गया है। जो जल्दी ही प्रसारण होगा। इसके लिए गॉडलीवुड स्टूडियो ने हर तरह से हर प्रकार के लोगों के जीवन को ध्यान में रखा है। इसकी इन्टरप्रेटेटर सिरसी की ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की प्रभारी बीके वीणा ने किया है। बहुत ही सरल एवं स्पष्ट शब्दों में इसकी व्याख्या की गयी है। जिससे इसे अपने जीवन में हर कोई उतार सके। - **बीके हरीलाल,** कार्यकारी निदेशक, गॉडलीवुड स्टूडियो

दादी जानकी

स्थिर बुद्धि से ही आएगी स्मृति में शक्ति

जिसको लोग कहते हैं भगवान ऊँचे ते ऊँचा है, हजार सूर्य से तेजोमय है और हम कहते हैं- हमने उसको पा लिया है। यह निश्चय नहीं है तो योगी कैसे बनें और योगयुक्त कैसे रहें? खुशी का पारा कैसे चढ़े। कुछ भी हो जाए- खुशी हमारी कोई छीन न सके। श्रीमत पर चलते हैं तो हमारी बुद्धि कभी इधर-उधर हो नहीं सकती। मनमत धोखेबाज है, श्रीमत धोखे से बचाने वाली है समझदार बनाने वाली है। बुद्धि को स्थिर एकाग्रचित रखेंगे तो स्मृति शक्ति देने वाली होगी। विस्मृति से जो पाई हुई शक्ति है वो भी गुम हो जाती है। स्मृति शक्तिशाली बनाती है।

बाबा का महान यज्ञ है वो बाबा खिला रहा है। ये ब्रह्मा भोजन है, इससे ही मनुष्य देवता बनते हैं। जैसा भोजन पेट में जायेगा वैसा मन होगा। लेकिन हमको क्या करना है? सिर्फ चित्त में जो पुरानी स्मृतियाँ हैं वो भुला देना है। शान्ति में बहुत मजा है, सहज होता है। जितना खुश रहो हर्षित रहो, मूँझने की नेचर न रखो तो सब स्पष्ट दिखाई देता है- ये करना है ये नहीं करना है। कितना सहज कर्मयोगी, निरन्तर योगी, फिर नैचरल योगी बाबा बना रहा है। तो स्मृति ऐसी बनी रहने से, शान्त में रहने से जिस घड़ी जिस शक्ति की आवश्यकता है वो हाजिर हो जाती है। कभी काम दिया, शान्ति से काम नहीं लिया तो पश्चाताप करना पड़ता। इसलिए कहा जाता -जो ओटे सो अर्जुन, करेगा सो पायेगा। करेंगे तो पहले दुआयें मिलेंगी। दुवाओं की शक्ति बड़ी कमाल के काम करती है। हिम्मत हमारी, मदद बाप की, दुआयें सब की-ये है अच्छी जीवन जीने की कला। ओम् शान्ति।

वाचा सेवा में अभिमान आ सकता है, कर्मणा सेवा से अभिमान टूटता है, योगी बनते हैं

बाबा की जितनी मीठी बातें सुनते हैं तो सुनने समय जी चाहता है कि

एक बात भी हमको भूले नहीं सब याद रहें। इतनी अच्छी मीठी बातें हैं, सदा के लिए हमको याद रहें। साथ-साथ यह भी जी चाहता है कि सब बातें हमारे जीवन में आ जाएं। कोई भी मिस न हों। एक भी कोई शक्ति कोई परसेन्ट में कम न हो। बाबा को हमारे लिए कितना प्यार है तो हमारे से कुछ भी मिस न हो। सब बातों में सम्पन्न बन जाएं। तो जितना बाबा की हमारे लिए उम्मीदें हैं, आशायें हैं। यह भी बहुत भाग्यशाली हैं जो बाबा ने हमारे से उम्मीदें रखी हैं। वैसे भी जैसे बच्चे का माँ बाप पर अधिकार है, वैसे माँ बाप का भी अपने बच्चों पर अधिकार होता, दूसरों पर नहीं। अपने बच्चों को ही सिखायेगा, समझायेगा। बाबा ने हमें अपना बनाया है तो बाबा को हक है हमें कहने के लिए। बाबा हमारे ऊपर कुर्बान गया हैं, हम उस पर गये हैं। हमने जानने पहचानने में टाइम लगाया, उसने धक से अपना बनाया। हम उस पर गये हैं। हम अगर अपना बनाने में टाइम लगाते हैं तो पीछे पड़ता है। कोई छोड़कर भी चले जाते हैं तो फिर से वह उन्हें कुछ न कुछ अनुभव कराकर अपना बना लेता हैं। लौकिक में कोई पीछे नहीं पड़ते। बाबा हमारे पीछे पड़ता है क्योंकि जानता है कि उस दुनिया में क्या रखा है। जो मेरे से मिलेगा वह कहीं से नहीं मिलेगा। बच्चा कम बुद्धि वाला है। इसलिए अपना बनाकर रखता है। जैसे हो वैसे हो मेरे होकर रहो। मैं नहीं कहता तुम चले जाओ। मेरा तो काम ही है नालायक को लायक, पतितों को पावन बनाना, निर्बल को बलवान बनाना। यह उसका काम है। वह अपना काम करता ही रहता है।

तो बाबा से इतना प्यार क्यों हुआ है, वह अथक होकर हम बच्चों को अपने समान बनाता आ रहा है। सदा बाबा ने आदि से आज दिन तक ऐसी हमारे ऊपर नजर रखी है, बच्ची बाप को देखे, बाप उनको नजर से देखे। जिन्हें नजर से निहाल कर दिया वो कभी बेहाल हो नहीं सकते। कैसी भी परिस्थिति आये परेशान हो नहीं सकते । जिनके ऊपर बाप की नजर पड़ी, जिसके सिर पर बाप का हाथ है, जिसके सिर पर छत्रछाया है, उसके आगे कोई भी परीक्षा आ जाए, परिस्थिति आ जाए, पहाड़ भी राई बन जाता। कुछ भी नहीं है। वह ऐसे ही हर्षितमुख से खड़ा हो जाता। ऐसी अन्दर से अपनी स्थिति बनाकर रखना, वह है सच्चा पुरूषार्थी।

तीसरा कदम है- सुख, शांति और पवित्रता फैलाना

बीके उषा, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, माउंट आबू

मेडिटेशन एक टैलिपैथिक कनेक्शन

जिससे वातावरण में भी परिवर्तन आने लगता है। अगर किसी व्यक्ति को राजयोग का अभ्यास करके तुरंत गुस्सा आ जाए, तो दुनिया में भी लोग कहते हैं कि पाँच मिनट भी शांत नहीं रह सके तो उसका क्या लाभ? इसीलिये कई बार देखा जाता है कि कई लोग जब पूजा-पाठ करके उठते हैं और जब उन्हें कोई इच्छित वस्तु तुरंत नहीं मिलती तो एकदम गुस्से में आ जाते हैं तो फिर पूजा करने का मतलब क्या? ठीक इसी प्रकार अगर राजयोग या मेडिटेशन करने से कोई प्राप्ति ही न हो, स्वभाव में कोई परिवर्तन न हो तो वह सिर्फ बाहरी रूप से शांति में बैठे हैं परन्तु मन अन्य बातों में भटक रहा है। बाह्य रूप से शांति में बैठना यह ध्यान या मेडिटेशन नहीं है।

वास्तव में आज के युग में मेडिटेशन की आवश्यक्ता क्यों है?

आज के युग में मेडिटेशन की आवश्यकता इसलिए है क्योंकि चारों ओर वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा व्याप्त है। नकारात्मक ऊर्जा मनुष्य की सकारात्मक ऊर्जा को सोख लेती है। ऐसा लगता है कि मनुष्य की शक्ति निचुड़ गई है, तभी व्यक्ति दिन के ढलने तक स्वयं को एकदम थका हुआ या शक्तिहीन महसूस करता है। जैसे-जैसे नकारात्मक ऊर्जा उसके व्यक्तित्व पर हावी होने लगती है वैसे-वैसे उसका स्वभाव भी नकारात्मक होने लगता है। दूसरी ओर, मेडिटेशन करने से वह अपनी सकारात्मक ऊर्जास्तर को बढ़ाता जाता है। यह सकारात्मक ऊर्जा ही व्यक्ति का प्रभामंडल कहलाती है। आज की दुनिया में यह सकारात्मक ऊर्जा का प्रभामंडल मनुष्य के लिए एक सुरक्षा कवच का कार्य करता है। जो व्यक्ति सुबह-सुबह मेडिटेशन के द्वारा अपने आस-पास यह सकारात्मक ऊर्जा का सुरक्षा कवच धारण कर लेता है, वह कैसी भी नाकारात्मक ऊर्जा वाले वातावरण में

यदि चला भी जाता है तो उस पर उस तमोगुणी वातावरण का प्रभाव नहीं पड़ता। वह दिन भर उमंग-उत्साह वाली सकारात्मक ऊर्जा से कार्य कर सकता हैं। इससे उसकी कार्यक्षमता तो बढ़ती ही है साथ-साथ कोई भी बात या घटना जल्दी तनाव में नहीं आती, ना ही वह शीघ्र क्रोध में आकर कोई निर्णय लेता है। वह न खुद परेशान होता न किसी को परेशान करने के निमित्त बनता है। दिन के अन्त में भी वह उसी सकारात्मक ऊर्जा के साथ स्वस्थ रहता है यानि उसकी आत्मा रूपी बैटरी चार्ज रहती है । तभी तो श्रीमद् भगवद गीता में कहा गया है कि योग से व्यक्ति की कार्य कुशलता बढ़ती है और वह जीवन के हर संघर्ष या युद्ध में विजयी होती है।

मेडिटेशन-एक टैलिपैथिक कनेक्शन

सरल शब्दों में मेडिटेशन एक टेलिपैथिक कनेक्शन है जिसमें आप अपने मन की बात दूर बैठे व्यक्ति तक पहुँचा सकते हैं। मान लीजिए कि आप किसी व्यक्ति को याद कर रहे हो और थोड़ी देर में ही उस व्यक्ति का फोन आ जाता है तो आश्चर्य भी होता है और खुशी भी होती है कि यह कैसे हो गया कि हम मन ही मन उसको याद कर रहे थे और उसका फोन आ गया, उस व्यक्ति से अगर पूछा जाए कि आपने फोन कैसे किया? तो वह यही कहेगा कि बस आपकी याद आ गई तो सोचा आपसे बात कर लूँ। परन्तु यह हमेशा या हरेक व्यक्ति के साथ नहीं होता। ऐसा तभी सम्भव होता है जब उन दो व्यक्तियों की मानसिक तरंगे एक ही स्तर पर प्रवाहित हो रही हों। ऐसा अनुभव स्पष्ट रूप से होता है। जब टेलीफोन नहीं थे, टेलिग्राम भी नहीं था तब लोग इसी टेलिपैथिक कनेक्शन से एक दूसरे से संदेशों का आदान-प्रदान करते थे।

-----क्रमश:

हमारी सोच ही करती है हमारे व्यक्तित्व का निर्धारण

छत्तरपुर सेवाकेन्द्र पर हॉकी डे पर व्यक्त विचार

शिव आमंत्रण ■ छत्तरपुर

मध्यप्रदेश के छत्तरपुर सेवाकेंद्र पर जिला खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जिला कलेक्टर रमेश भंडारी, पुलिस अधीक्षक विनीत खन्ना, जिला खेल अधिकारी प्रदीप अविध्रा, महर्षि विद्या मंदिर के प्राचार्य सी.के. शर्मा ने शिरकत की। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा स्थानीय किशोर सागर स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के पावन धाम सभागार में

हॉकी किट के साथ खिलाड़ी और अतिथि।

बड़े ही उमंग-उल्लास पूर्वक हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 112वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर 200 से अधिक खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा हॉकी किट, मेडल और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर बीके शैलजा ने कहा, कि मन की शक्ति का प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है जैसा सोचते है वैसा हम बन जाते है। मेजर ध्यानचंद इसका सबसे सुंदर उदाहरण है। नवागत एसपी विनीत खन्ना ने कहा, कि आज हम 112 वर्षों के बाद भी मेजर ध्यानचंद को याद कर रहे है क्योंकि उन्होंने एक उद्देश्य को लेकर जीवन जिया। हमें भी उनसे सीख लेते हुए जीवन को जीना चाहिए। जिलाधीश डॉ. रमेश भंडारी ने मेजन के जीवन चरित्रों पर प्रकाश डाला। अंत में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा ने अतिथियों को ईश्वरीय संदेश देते हुए सौगात भेंट की। कार्यक्रम का संचालन कोर्डिनेटर धीरज चौबे ने किया ।

पेज 1 का शेष

ग्राम विकास रथ...

भाजपा किसाना मोर्चा के अध्यक्ष कैलाश चौधरी, कैंसर अवेयरनेस की ब्रांड अम्बेसडर सरोज खान, ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा बीके सरला, राजपार्क सबजोन की प्रभारी बीके पूनम, वैशाली सबजोन प्रभारी बीके सुषमा, वैशाली सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके चन्द्रकला समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

भेजा सर्कुलरः ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा निकाले गये इस अभियान की सफलता के लिए राजस्थान सरकार के कृषि विभाग द्वारा राजस्थान के सभी आत्मा केन्द्रों पर सर्कुलर भेजकर ग्राम विकास कार्यक्रम में सहभागिता लेने तथा मदद करने का आह्वान किया है।

राष्ट्रीय समाचार

1000 बीएसएफ जवानों को राजयोग प्रशिक्षण

बीएसएफ जवान राजयोग का प्रशिक्षण लेते हुए।

शव आमंत्रण, भिलाई। भिलाई राजयोग भवन के पीस ऑडिटोरियम में दो दिवसीय बीएसएफ जवानों के लिए राजयोग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 1000 बीएसएफ जवानों एंव अधिकारियों ने भाग लिया। भिलाई सेवाकेंद्रो की संचालिका बीके आशा ने राजयोग के बारे में विस्तार से समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मोबाईल फोन को मेन पॉवर हाऊस से जोड़ने पर बैटरी फुल हो जाती है, ठीक उसी प्रकार से अगर हम शान्त मन से परमपिता से अपना मानसिक कनेक्शन जोड़ते है तो हमारी आत्मिक बैटरी भी फुल होती जाती है। हमारा मन एक अनन्त ऊर्जा से भरपूर होता जाता है। बी एस एफ के कमांडेंट अजय कुमार शुक्ला ने कहा, कि इन दो दिनों की ट्रेनिंग में हमें ये समझ आया है कि अगर हमारे जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान का समावेश है तो हम जीवन के हर क्षेत्र में सफल जरूर होगें। उपस्थित मुख्य अतिथि केपीएस ग्रुप के चेयरमैन एमएन त्रिपाठी एवं कृष्णा त्रिपाठी एवं डॉक्टर शोभा, बीके आशा एवम बीके गीता, बी एस एफ के कमांडेंट अजय कुमार शुक्ला ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस दौरान कमांडेंट अजय शुक्ला ने बीके आशा एवं बीके गीता को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

आई.टी.बी.पी जवान हो रहे है तनावमुक्त

कार्यक्रम में उपस्थित आई.टी.बी.पी जवान।

शिव आमंत्रण, लोहाघाट। उत्तराखंड में लोहाघाट के चम्पावत स्थित आई.टी.बी.पी कैंप में अधिकारियों व जवानों के लिए तनाव प्रबन्धन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बीके रोहताश ने तनाव से मुक्त होने की विधि बताते हुये कहा कि किसी भी बात के प्रति हमारा नकारात्मक दृष्टिकोण एवं व्यर्थ विचार ही तनाव के मुख्य कारण है यदि हम ईश्वरीय ज्ञान का चिंतन कर इसे अपने जीवन में धारण कर लें तो खुशनुमा जीवन जी सकते है, वहीं बीके राजश्री ने आत्मज्ञान एवं परमात्म ज्ञान से अवगत कराया ।

बीएसएफ जवानों के लिए तनाव मुक्ति कार्यशाला

कार्यशाला के लिए उपस्थित बीएसएफ जवान, अधिकारी तथा बीके शक्ति राज।

शिव आमंत्रण, आबूरोड। राजस्थान के जैसलमेर में बीएसएफ जवानों के लिए तनाव मुक्ति एवं आंतरिक शक्ति यों को बढाने पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें माउंट आबू से आये बीके यशपाल, माइंड एवं मेमोरी ट्रेनर बीके शक्ति राज ने जवानों को तनावमुक्ति प्रशिक्षण दिया। दो दिन तक चली इस कार्यशाला में बीके सदस्यों ने स्लीप मेनेजमेंट, स्ट्रेस मेनेजमेंट, मेमोरी मेनेजमेंट एवं सेल्फ एम्पावरमेंट के तरीके बताये। इस दौरान कोआर्डिनेटर ऑफिसर डी. सी. पवन आनंद ने ब्रहमाकुमारीज़ संस्थान का ऐसे कार्यक्रम के लिए आभार व्यक्त किया। ऐसे ही जैसलमेर के साउथ में बीएसएफ की 68वीं बटालियन में भी आयोजित कार्यशाला में बीके शक्ति राज एवं अन्य बीके सदस्यों ने सदा खुश रहने व हारमनी इन रिलेशनशिप, सेल्फएम्पावरमेंट की विधियाँ बताई।

बोरीवली सेवाकेंद्र पर मलयालम समाज स्नेह मिलन

शिव आमंत्रण, बोरीवली। मलयालम समाज के लोगों के लिए ब्रह्माकुमारीज़ और मलयाला भाषा प्रचरना संगम द्वारा मुंबई के बोरीवली सेवाकेंद्र पर स्नेह मिलन हुआ। जिसमें डिस्टेन्सिंग रिलेशनशिप नीयरिंग मिथ्स विषय पर प्रोफेसर ई.वी. गिरीश ने बहुत ही प्रभावशाली भाषण दिया।। मुख्य अतिथि के प्राचार्य सुरेश नायर ने इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए ब्रहमाकुमारीज़ का आभार व्यक्त किया।

दादी प्रकाशमणि की दसवीं पुण्य तिथि पर आयोजन

4800 फीट उंचाई तक अन्तर्राष्ट्रीय मैराथन दौड़, ताकि दुनिया में फैले विश्व बन्धुत्व और शांति का संदेश

शिव आमंत्रण ■ आबूरोड

आबू रोड, 20 अगस्त, निसं। राजस्थान में पहली बार आबू रोड से माउण्ट आबू तक 4800 फीट ऊंचाई तक 21 किमी अन्तर्राष्ट्रीय मैराथन में राजस्थान तथा देश के कई हिस्सों से आये सैकड़ों की संख्या में धावकों ने दौड़ लगायी। प्रातः साढ़े पांच बजे आयोजित इस मैराथन का उदघाटन राजस्थान सरकार के गोपालन मंत्री ओटाराम देवासी, जिला प्रमुख पायल परसराम पुरिया, फिल्म अभिनेता उपेन पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष लुम्बाराम चौधरी, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करूणा, शांतिवन प्रबन्धक बीके भूपाल, जिला कलेक्टर संदेश नायक और बीके भरत ने मशाल जलाकर तथा हरी झंडी दिखाकर रवानगी दी।

इस अवसर पर गोपालन मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था ने जिस प्रकार आपदा के समय में लोगों की मदद की है उससे सरकार को और आम लोगों को काफी सहायता मिली। जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधि सभी मिलकर संस्था के संकल्प को पूरा करने का प्रयास करेंगे। जिला प्रमुख पायल परसराम पुरिया ने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि समय प्रति समय इस संस्था द्वारा लोगों की विकास हेतु लगातार कार्य किये जाते हैं। इसमें हम लोग शामिल होकर लोगों का उत्साहवर्धन करते हैं। फिल्म अभिनेता उपेन पटेल ने कहा कि मैं बहुत खुश हूँ कि हमें ऐसी जगह पर आने का अवसर पर मिला है। एशियन चैम्पिनय डॉ0 सुनिता गोदारा ने कहा कि हमें विश्वास है कि इस तरह के प्रयास से अन्तर्राष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

शुभारंभ

उत्साह से लबरेज प्रतिभागी और हौसला बढ़ाते हजारों शहरवासियों ने बता दिया कि सबकी भागीदारी, तालमेल और अटूट विश्वास के दम पर हम देश को कुछ इसी तरह साथ मिलकर आगे ले जा सकते हैं।

हौसला

जोश

विश्व बंधुत्व हमारा ध्येय

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करूणा ने कहा कि हमारा प्रयास लोगों में विश्व बन्धुत्व की स्थापना करने में सहयोग प्रदान करना है। दादी जी का हमेशा से यही प्रयास रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष लुम्बाराम चौधरी, विधायक जगसीराम कोली, समाराम चौधरी ने भी अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोगों को हर वक्त खड़ा रहना चाहिए।

कार्यक्रम के अवसर पर जिला कलेक्टर संदेश नायक, नगरपालिका प्रमुख माउंट आबू सुरेश थिंगर, आबू रोड पालिका चेयरमैन सुरेश सिंदल, तहसीलदार मनसुख डामोर समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त कर मैराथन को हरी झंडी दिखायी।

बारिश भी नहीं कर पायी बच्चों का उत्साह कम: अचानक रात्रिकाल की बारिश भी मैराथन में नन्हें बच्चों के उत्साह को कम नहीं कर पायी। प्रात: काल पानी के बन्द होने के बाद मैराथन को हरी झंडी दिखायी गयी।

बच्चों में दिखा उत्साह

बच्चों में गजब का उत्साह देखने को मिला। जैसे बच्चों को मशाल और हरी झंडी दिखायी गयी बच्चे जीत के लक्ष्य से दौड़ पड़े। हर जगह नींबू, पानी, नमक, चिकित्सकों की टीम उपस्थित रही जिससें किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो सके। इस अवसर पर सदर पुलिस इस्पेक्टर सुमेर सिंह, बीके भानू, बीके सचिन, बीके देव, बीके अनूप सिंह, बीके रामसुख मिश्रा, बीके कृष्णा, बीके अशोक गाबा, बीके मोहन सिंघल, बीके कुन्ती,बीके चन्दा समेत कई लोग ।

विजेताओं को किया सम्मानित

मैराथन में विजेताओं को 25 अगस्त को शाम आयोजित कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया जायेगा।

इनका कहना है

ब्रह्माकुमारीज संस्था ने दादी डे पर अन्तर्राष्ट्रीय मैराथन आयोजित कर विश्व बन्धुत्व की जो भावना जगायी है। इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जायेगा। यहां से प्रसारित यह संदेश लोगों में आपसी सद्भाव बढ़ायेगा।

- जगसीराम कोली, विधायक, आबू रोड रेवदर

ब्रह्माकुमारीज संस्थान का कार्य आम लोगों के हित में होता है। बाढ़ से लेकर हर मुसीबतों में प्रशासन के साथ पूरा सहयोग रहता है। आज का अन्तर्राष्ट्रीय मैराथन भी उसी अच्छे कार्यों का परिणाम है। शुभकामनाएं देता हूँ। **- संदेश नायक,** जिला कलेक्टर, सिरोही

जिस तरह से एक अच्छे कार्य के लिए लोगों का हुजुम उमड़ा है। उससे यह साबित होता है कि अच्छे कार्यों करने वालों की कोई कमी नहीं हैं। दादी ने अपना पूरा जीवन इसी तरह के कार्य में लगा दिया जिसका परिणाम आज सबके सामने हैं।

- सुरेश सिंदल, चेयरमैन, नगरपालिका, आबू रोड

गीता में बताया गया युद्ध है अहिंसक और कर्मसूचक

शिव आमंत्रण ■ भोपाल

गीता में जो युद्ध बताया गया है वह हिंसक युद्ध नहीं है। बुद्धि का नेत्र खोलने का वह शास्त्र है। वह अहिंसक है और हर आत्मा के लिए है। आत्मा ने यह शरीर रूपी चोला पहना हुआ है। शरीर आत्मा का कर्म करने का क्षेत्र है और कर्म करने वाला आत्मा क्षेत्रज्ञ है। सात्विक माना सात गुणों से संपन्न। काम और उसके क्रोध, लोभ, मोह अहंकार आदि साथी है उनको मारने की बात इसमें बताई गई है। इसे समझने के लिए बुद्धि का विशाल होना जरूरी है। गीता के 16 से 30 तक के श्लोकों में शरीर एक वस्त्र है और आत्मा उसमें चैतन्य शक्ति बताया गया है। धन का दुरूपयोग करने वाला दुर्योधन, शासन का दुरूपयोग करने वाला दु:शासन, बुद्धि का दुरूपयोग करनेवाला दुबुद्धि आदि जो पात्र है वह कर्मसूचक है। और गीता का ज्ञान केवल स्वच्छ बुद्धि पांडव ही धारण कर सकते है। गीता ज्ञान के विभिन्न आध्यात्मिक पहलुओं पर प्रकाश डालने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा भोपाल के समन्वय भवन सभागार में दो दिवसीय गीता मे वर्णित युद्ध - हिंसक या अहिंसक? इस विषय पर महासम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें इन मुख्य बातों पर माननीय वक्ताओं ने प्रकाश डाला। महासम्मेलन का शुभारंभ संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय से डॉ. एस. एम. मिश्रा, भोपाल ज़ोन की निदेशिका बीके अवधेश, जबलपुर से आयी गीता विशेषज्ञ बीके डॉ. पुष्पा पाण्डेय, हैदराबाद से बीके त्रिनाथ, गुलमोहर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रीना की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

गीता पर विश्लेषण करती बीके अवधेश व अन्य अतिथि।

गीता ज्ञान दाता है निराकार शिव

दो दिवसीय इस सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए बीके अवधेश ने बताया कि गीता ज्ञान दाता निराकार परमात्मा शिव है और गीता ज्ञान को सम्पूर्ण रीति से अपने जीवन में धारण करने वाले 16 कला सम्पूर्ण, सम्पूर्ण निर्विकारी, मर्यादा पुरुषोत्तम श्री कृष्ण है। इसी बात को गहराई से न समझने के कारण भारत की यह दुर्दशा हुई है।

अपने वक्तव्य को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा, कि गीता शास्त्र को हम यथार्थ रूप से तभी समझ पाएंगे जब गीता ज्ञान दाता के सत्य स्वरूप को समझेंगे। इसी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए बीके बृजमोहन ने सभी का ध्यान इस बात पर खिंचवाया कि गीता में जिन पांच विकारों को मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन बताया हैं उसका प्रेक्टिकल प्रमाण आज हम सभी के सम्मुख है। आज समाज में जितने भी अपराध हो रहें हैं उन सभी का मूल यह पांच विकार है। इसलिए अभी जो चल रहा है यही गीता काल है।

गीता विशेषज्ञ बीके डॉ. पुष्पा पाण्डेय ने महाभारत युद्ध को प्रतिकात्मक बताते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि युद्ध में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को पांच विकारों से मुक्त होने के लिए अहिंसक युद्ध करने को प्रेरित किया। इसलिए हम सभी को भी इन पांच विकारों से मुक्त होने के लिए पांडव बन ईश्वरीय ज्ञान का अर्जन करते हुए स्वयं को विकारमुक्त बनाना चाहिए। अंत में डॉ. एस. एम मिश्रा समेत अनेक जानकारों ने भी अपने विचारों द्वारा गीता के अन्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

जीवनशैली बदलो, हृदय रोग से बचो

शिव आमंत्रण ■ रायपुर

त्रिआयामी हृदयोपचार कार्यक्रम के प्रणेता और ग्लोबल हॉस्पिटल, माउण्ट आबू के हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश गुप्ता ने कहा, कि हृदयरोग की बीमारी में हम भारतवासी वर्ल्ड लीडर है। अगर यही हाल रहा तो वर्ष 2020 तक दुनिया के कुल हृदयरोगियों में साठ प्रतिशत भारतीय होंगे। हृदयरोग से बचने के लिए जीवनशैली को बदलना जरूरी है। उक्त विचार डॉ. गुप्ता ने विधानसभा रोड स्थित शान्ति सरोवर में आयोजित त्रि-आयामी स्वास्थ्य समारोह में व्यक्त किये।

उन्होंने बतलाया कि त्रि-आयामी हृदयोपचार में प्रतिपादित सोल, माइण्ड, बॉडी और मेडिसीन के सिद्धान्त को भारत सरकार ने भी स्वीकार किया है। उन्होंने इसे नेशनल प्रोग्राम ऑफ लाईफस्टाइल्स घोषित किया है। बहुत जल्द ही यह स्कूलों में भी पढ़ाया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित स्वास्थ्य सेवा आयुक्त आर. प्रसन्ना तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर के डायरेक्टर डॉ. नितिन एम. नागरकर ने कहा, कि वर्तमान भागदौड़ की जिन्दगी में हम पैसों के पीछे भाग रहे हैं। इसी का दुष्परिणाम बिमारियों के रूप में सामने आता है। सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए जीवनशैली को बदलना जरूरी है। इससे पहले क्षेत्रीय निदेशिका बीके कमला ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। बीके युगरत्न ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। संचालन छत्तीसगढ़ योग आयोग की सदस्य बीके मंजू ने किया।

स्वास्थ्य समारोह का उद्घाटन करते डॉ. गुप्ता व अन्य अतिथि।

राष्ट्रीय समाचार

ओम शांति सर्कल का मुंबई में उद्घाटन

उद्घाटन के बाद ओम शांति सर्कल का एक दृश्य।

शिव आमंत्रण, मुंबई। अब भागदौड़ से भरी मुंबई शहर में मीरारोड सिल्वर पार्क सृष्टि रोड सर्कल को ओम शांति सर्कल के नाम से जाना जायेगा। यह सर्कल ना केवल लोगों के लिए एक-दूसरे से मिलाने और रास्ता बताने का कार्य करेगा बल्कि यहाँ से गुजरने वाले लोगों के मन में शांति का भी संचार करेगा। ऐसा ही एक प्रयास ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किया गया और मीरारोड में ओम शांति चौक का निर्माण किया। जिसका उद्घाटन कॉरपोरेटर राजू भोईर, बोरीवली सबज़ोन प्रभारी बीके दिव्या, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रंजन ने रिबन काटकर व शिवध्वज फहराकर किया जहां माउंट आबू से आए बीके रमेश तथा थाइलैंड से आए कुछ विदेशी मेहमान भी मौजूद थे। इस दौरान कॉरपोरेटर राजू ने कहा, कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा निर्मित यह चौक विश्व में शांति फैलाने का कार्य करेगा तथा भविष्य में संस्था के सेवाकार्यों में अपनी सहभागिता की इच्छा व्यक्त की। इस अवसर पर बीके दिव्या ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

सीआईएसएफ के जवानों ने सीखे तनावमुक्त के गुर

कार्यशाला में उपस्थित सीआईएसएफ जवान बीके भाई-बहनों के साथ।

शिव आमंत्रण, रियासी। जम्मू और कश्मीर में रियासी जिले के ज्योतिपुरम् में सी.आई.एस.एफ . यूनिट के जवानों व उनके परिवार के सदस्यों के लिए दो दिवसीय तनाव मुक्त जीवनशैली पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला संस्थान के सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित की गई थी जिसमें प्रभाग के सदस्य कमान्डर शिव सिंह, बीके सारिका, बीके पूजा, बीके रविन्द्र ने स्लीप मैनेजमेंट, मैनेजिंग चैलेन्जिंग सेचुएसन, स्ट्रेस मैनेजमेंट, हारमोनियस रिलेशनशिप और सेल्फ एम्पावरमेंट विषय पर प्रकाश डाला और रोजाना मेडिटेशन के अभ्यास से तनावमुक्त बनने की युक्ति बताई। कार्यशाला में यूनिट के कमांडेंट नवदीप सिंह हीरा समेत सभी जवान और उनके परिवार के सदस्य मौजूद थे।

मैंगलोर में 50 खिलाड़ियों को किया सम्मानित

प्रशस्ति-पत्र के साथ सम्मानित खिलाड़ी।

शिव आमंत्रण, मैंगलोर। कर्नाटक के मैंगलोर सेवाकेंद्र में मनाए गये खेल दिवस के अवसर पर विधायक जे. आर. लोबो, महापौर एवं कराटे चैम्पियन कविता सानिल, अर्जुन पुरस्कार विजेता और ओलम्पियन वंदना शानबाग, खेल और युवा मामलों के उपनिदेशक प्रदीप डिसूजा, सूर्यनारायण मंदिर के प्रबंध न्यासी बालकृष्ण कोठारी, शारीरिक शिक्षा के वरिष्ठ शिक्षक दयानंद माडा, सेवाकेंद्र संचालिका बीके विश्वेश्वरी सहित अन्य प्रबुद्ध नागरिकजनों की मौजूदगी में वंदना शानबाग समेत 50 खिलाड़ियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में बीके विश्वेश्वरी ने ईश्वरीय संदेश देते हुये कहा, कि यह जीवन एक खेल है इसमें सुख-दुःख, लाभ-हानि व हार-जीत होती है। लेकिन हमारी श्रेष्ठता तब है जब हम दोनों स्थिति में अपनी मनोस्थिति को समान बनाये रखें। इसके साथ ही उपस्थित अतिथियों और बीके विश्वेश्वरी ने कविता सानिल को सम्मानित किया व छात्र-छात्राओं को सर्टीफिकेट प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ब्रह्माकुमारी जयंती बहन

पूर्वजन्म के संचित कर्मों ने बनाया फरिश्ता

रूहानी व्यक्तित्व का गहरा असर

इस भारत यात्रा के दौरान मैं मम्मा से मिली जो कि सारी मानव -जाति की आध्यात्मिक माँ हैं। यह मेरे लिए बहुत सुन्दर अनुभव था। उनके रूहानी व्यक्तित्व का मुझ पर गहरा प्रभाव पड़ा था। उनका प्यार आसीम था। उन दिनों मम्मा को कैंसर हो चुका था। परन्तु कैंसर जैसे भयानक रोग की पीड़ा होते हुए भी उनका चेहरा दिव्य प्रकाश से चमक रहा था और रोग का कोई प्रभाव उन पर अनुभव नहीं हो रहा था। सन् 1965 के एक दिन, स्कूल से घर लौटने पर मैंने माता जी को योग में बैठे हुए देखा। मैं भी माता जी के पास योग में बैठ गयी। माताजी उस दिन बहुत गहन साधना में तल्लीन थी बाद में मुझे बताया गया कि आज मम्मा ने अपने भौतिक देह का त्याग किया है।

राजयोगिनी बीके जयन्ती एक वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका तथा आध्यात्मिक नेता हैं। आपका जन्म भले ही भारत में हुआ परन्तु पढ़ाई और पालना सब लन्दन में हुई। उन्नीस साल की उम्र से ही ईश्वरीय जीवन जीने का अवसर मिला और इक्कीस साल की आयु में जीवन का महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए खुद को ईश्वरीय सेवार्थ समर्पित कर दिया। समूचे विश्व में भ्रमण करते हुए भारतीय संस्कृति तथा मानवीय मूल्यों को पोषित करने के लिए हमेशा लोगों की मद्द करती रही है। जीवन के ये स्वर्णिम पहलु सरल शब्दों में प्रस्तुत है।

7 साल की उम्र में पड़ा ज्ञान का बीज

मेरी दादी का मेरे जीवन पर बाल्यकाल में काफी प्रभाव रहा। वे विश्वास, श्रद्धा और समर्पण से भरपूर थीं। न केवल ईश्वर के प्रति बल्कि पड़ोसियों और समाज के अन्य लोगों की भी समयानुसार खूब सेवा तथा सहायता किया करती थीं। सात वर्ष की आयु में मैं पहली बार दादी जानकी जी से मिली। पूना में दादी जी हमारे घर पर आयी थीं और मेरे दादा जी तथा दादी जी को ब्रह्माकुमारी संस्था की शिक्षाओं से अवगत करा रही थीं। मैं सुन नहीं रही थी, कमरे में से केवल उन्हें देख रही थी और उनकी उपस्थिति का अनुभव कर रही थीं। मेरा आठवाँ जन्मदिन पूना सेवाकेन्द्र पर मनाया गया। इसलिए मैं मानती हूँ कि भाग्यदायिनी स्थिति के नजदीक आने के लिए मैंने वर्तमान जन्म में कोई पुरुषार्थ नहीं किया बल्कि मेरे पूर्वजन्म के संचित कर्मों ने ही मुझे दो फरिश्ता रूप अभिभावक प्रदान किये। उनमें से एक हैं ब्रह्मा बाबा और दूसरी हैं दादी जानकी जी। ब्रह्मा बाबा को मैंने अपने उस जन्म दिन के कुछ दिनों बाद देखा।

आध्यात्मिक पिता थे ब्रह्मा बाबा

उनका व्यक्तित्व किसी राजा जैसा था। वे एक आध्यात्मिक पिता थे। पहले तो मैं थोड़ा डरी परन्तु उनके नजदीक आकर उनसे समीपता का अहसास करने लगी। उन्होंने जो कहा, वह मुझे याद नहीं परन्तु उस मुलाकात का असर बड़ा गहरा हुआ। सन् 1957 में मैं पहली बार लंदन गयी। मैंने भारत में दादी जानकी जी से, राजयोग का अभ्यास करना सीख लिया था। मुझे बताया गया था कि परमात्मा पिता का रूप ज्योतिर्बिन्दु स्वरूप है। मैंने इस बात पर सहज ही विश्वास कर लिया। लौकिक माता जी ने तो भारत में पूरा ही ईश्वरीय ज्ञान सीख लिया था और वे प्रतिदिन उसके अभ्यास में लगी रहती थी। जब मैं पीछे मुड़कर जीवन की उन घड़ियों की ओर निहारती हूँ तो माता जी की ईश्वरीय लगन, अनुशासन, साहस और अभ्यास के प्रति दृढ़ता सहज स्मृति में आती है। सुबह चार बजे वे उठ जाती थीं और मुझे भी अपने साथ राजयोग के अभ्यास के लिए प्रेरित करती थी। मैं उनको प्रसन्न करने के लिए, उनका साथ देती थी।

संकल्प था जीवन मानवता की सेवा में लगे

जैसे-जैसे मेरी पढ़ाई आगे बढ़ती गयी, मैं अपने चारों ओर के संसार के बारे में जानने में रुचि लेने लगी। जब 12 वर्ष की हुई तो मैंने माता जी के समक्ष यह इच्छा रखी कि मैं रात्रि को 9 बजे राजयोग करने के बजाय समाचार देखना चाहूँगी। मम्मी ने राजयोग अभ्यास के लिए मेरे साथ जोर-जबरदस्ती नहीं की। वे जानती थीं कि जो ज्ञान का बीज इसमें पड़ा है वह अविनाशी है। सन् 1964 में मैं वापिस भारत लौटी। मुम्बई में उस समय बहुत तेज बरसात हो रही थी। हवाई अड्डे से शहर की तरफ जाते हुए मैंने देखा कि बहुत सी झोपड़ियाँ, जो प्लाई आदि से बनी थीं, क्षतिग्रस्त हो गयी थीं और कई लोग उन्हें जैसे-तैसे बचाने में लगे हुए थे। गरीबी की उन असहनीय दृश्यों को देखने के बाद अगले दिन हम पूना को रवाना हुए। उन दृश्यों में मेरे भीतर एक उथल- पुथल पैदा की और यह वही क्षण था जब मैंने निश्चय किया कि मेरा जीवन केवल मेरे लिए नहीं होना चाहिए, यह किसी भी रूप में मानवता की सेवा में लगना चाहिए।

ब्रह्मा बाबा को देखने की हुई इच्छा

आध्यात्मिकता में इतनी रुचि न होने पर भी, मैं प्यारे बाबा को एक बार पुनः देख लेने की इच्छा से, जाने के लिए तैयार हो गयी। जैसे ही हम मधुबन के महाद्वार में प्रविष्ठ हुए, ऐसा लगा जैसे कि मैंने बाहरी संसार को छोड़ दिया और एकदम नयी संसार में आ गयी हूँ। यह अन्तरात्मा की अनुभूति थी। बाबा ने एक युवा कन्या को मेरा साथी बना दिया। हम दोनों पहाड़ पर घूमने जाते थे और आपस में ज्ञान-चर्चा करते थे। मैं मधुबन को छोड़ना नहीं चाहती थी परन्तु लम्बे समय तक वहाँ रहना सम्भव नहीं था। मधुबन से जाते समय मुझे लगा जैसे कि मैंने अपना दिल वही छोड़ दिया है। मधुबन मुझे स्वर्ग जैसा लगा और वहाँ से निकलते ही नर्क में प्रवेश करनी जैसी भासना आयी।

शरीर से बाहर जाने का हुआ अनुभव

सन्1967 में मैंने विश्वविद्यालय में प्रवेश कर लिया। एक दिन मैं एक बहुत सुन्दर सभागार में बैठी हुई थी। रसायन विज्ञान के प्राध्यापक बोर्ड पर फार्मूले लिख रहे थे। अचानक मुझे लगा कि मैं किसी दूसरे स्थान पर हूँ और वहाँ से अपने आप को देख रही हूँ। मैंने अपने आप से पूछा कि मैं यहाँ क्यों हूँ, मेरे यहाँ होने का उद्देश्य क्या है? मैंने अपने आपको हिलाया ताकि इस स्थिति से बाहर आ सकूँ । प्राध्यापक द्वारा लिखा गया फार्मूला अपनी नोटबुक में दोबारा लिखना प्रारम्भ कर दिया लेकिन (शरीर से) बाहर जाकर अपने आपको देखने का यह अनुभव इतना शक्तिशाली था कि बार-बार मन में वही आता रहा। यह वो समय था, जब लन्दन और सारे विश्व में समाज बहुत तेजी से बदल रहा था और नयी हवायें बह रही थीं। मैंने अपने पिता जी को यह बात बतायी।

सर्वोच्च सत्ता से जोड़ता है योगाभ्यास

भारत में मैं पूना में, ब्रह्माकुमारी आश्रम पर दादी जानकी जी से मिली। एक योगी, बिना बताये ही, दूसरे के मनोभावों को जान लेने में समर्थ होता है। मैंने दादी जी से थोड़ी देर बातें की। दादी जी ने बढ़ते तनाव, बदलते शिक्षा- प्रणाली और बदलते वातावरण से आत्माओं पर क्या प्रभाव पड़ रहा हैं, उसी के बारे में बातें बतायीं और यह भी कहा कि ऐसी स्थितियों में व्यक्ति की सही-गलत का निर्णय करने की शक्ति खत्म हो जाती हैं। मैंने उनको कुछ भी नहीं बताया था लेकिन उन्होंने मेरी आन्तरिक स्थिति का पूरी तरह से यथार्थ वर्णन कर दिया। मैंने उनसे पूछा कि जब ऐसा हो तो समाधान कैसे किया जाये? उन्होंने कहा कि योगाभ्यास करो क्योंकि योगाभ्यास करने से आप सर्वोच्च सत्ता(परमात्मा)से जुड़ जाती हैं। उनका प्रभाव आप पर पड़ने लगता है जिस कारण अन्य सभी प्रभावों से मन मुक्त हो जाता है। मैंने कहा कि मैं सीखना चाहती हूँ। फिर उन्होंने मुझे ईश्वरीय ज्ञान का पहला पाठ सुनाया।

राष्ट्रीय समाचार

राउरकेला में किया हजार पौधों का रोपण

राउरकेला में पौधारोपण करते छात्र।

शिव आमंत्रण, राउरकेला। समय पर वर्षा न होना, पर्याप्त अनाज पैदा न होना तथा समय पर मानसून न आना इन सभी समस्याओं का मूल कारण है निरंतर वृक्षों की कमी। इसी बात को ध्यान में रखते हुये ओड़िशा में राउरकेला के कोयल नगर में स्थानीय सेवाकेंद्र एवं नागौन सेवाकेंद्र द्वारा सेव ह्यूमिनिटी बाय ग्रीन द अर्थ क्लीन द माइंड के तहत पौधारोपण का आयोजन किया गया । इस दौरान इंस्पेक्टर प्रभात कुमार बिसवाल, जेलर निराकार पाथी, उद्योगपति अजय राजूका, बीके इतीश्री, बीके जयश्री एवं अन्य सदस्यों ने हारून अमीना इंग्लिश मीडियम स्कूल, गर्वमेंट यूपी स्कूल, पंचायत समिति जे. आर. कॉलेज एवं यूजीआई कॉलेज, ग्राम लिंद्रा एवं बी-ब्लॉक समेत अन्य स्थानों पर एक हजार से अधिक पौधे रोपित कर पर्यावरण को हरा- भरा एवं प्राकृतिक संपदा से भरपूर रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रभात कुमार बिसवाल, निराकार पाथी, उद्योगपति अजय राजूका ने अपनी शुभकामनायें व्यक्त करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पर्यावरण सुरक्षा के लिये किये गये कार्यों की सराहना की।

मूल्यों युक्त प्रशिक्षण से ही मिलेगी दिशा

लाईफ स्किल डेवलपमेंट कैंप में सहभागी युवा।

शिव आमंत्रण, सोलन। हिमाचल प्रदेश के सोलन में सेवाकेंद्र पर लाइफस्किल डेवलपमेंट कैंप में जिला उपायुक्त राकेश कनवर ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि आज के युवाओं को इस प्रकार के प्रोत्साहन एवं जीवन मूल्यों युक्त कार्यक्रमों की आवश्यकता है, इनसे ही युवाओं को श्रेष्ठ मार्गदर्शन प्राप्त होगा और वह अपनी क्षमताओं का प्रयोग सही दिशा में कर सकेंगें। कैंप का शुभारंभ जिला उपायुक्त राकेश कनवर, पंजाब जोन के युवा प्रभाग के कोर्डिनेटर बीके अरूण, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुषमा एवं अन्य सदस्यों ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। बीके सुषमा ने अपने सम्बोधन में कहा, कि आज के युवाओं में आत्मविश्वास की बहुत कमी है जिसके कारण वह अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाते। इस कैंप में वे सभी गुण सिखाये जायेगें जो एक सफल व्यक्तित्व के लिये आवश्यक हैं।

खेलों में मानसिक स्थिरता अति आवश्यक

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल खिलाड़ी।

शिव आमंत्रण, चेन्नई। चेन्नई के हैप्पी विलेज रीट्रिट सेंटर में संस्थान के खेल प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम खेल प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके कुलदीप, मुख्यालय संयोजक बीके जगबीर, क्षेत्रीय संयोजक बीके रवि, तमिलनाडु ज़ोन की कार्यक्रम संयोजिका बीके बीना, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके कलावती, बीके मुथुमनी, बीके देवी और प्रभाग से जुड़े सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। खिलाड़ियों को हार व जीत में अपनी मनोःस्थिति को स्थिर बनाए रखने के लिए अपने अन्तर्मन की शक्तियों को अनुभव करना अति आवश्यक है। इस दौरान बीके रवि ने राजयोग मेडीटेशन का महत्व बताते हुये कहा, कि इसके द्वारा माइंड पावर को बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित प्रोफेसर ई. वी. गिरीश व बलराम तलरेजा ने जीवन में हिम्मत तथा मनोबल बढ़ाने में राजयोग की भूमिका पर प्रकाश डाला।

लातूर के टेंशन को बाय-बाय कार्यक्रम

लातूर में हुई खुशियों की बारिश

तनाव को अलविदा कहने के गुर सिखाते हुए बीके शक्तिराज।

शिव आमंत्रण ■ लातूर

शरीर पर हुए जख्मों पर मरहम लगाकर भरा जा सकता है, लेकिन मन के जख्मों को कैसे भरें यह समस्या आज समाज के सामने है। इसी समस्या के समाधान के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने महाराष्ट्र में लातूर के स्थानीय सेवाकेंद्र पर दो दिवसीय राजयोग ध्यान द्वारा 'हैप्पीनस को हाय और टेंशन को बाय बाय' नामक सेमीनार का आयोजन किया। जिसका लाभ लेने के लिए शहर के विशिष्ट लोग शामिल हुए।

खूब दिखाया उत्साह

इस शिविर की सार्थकता इस बात से लगाई जा सकती है, कि कई लोग राजयोग को अपने जीवन में शामिल करने हेतु स्थानीय सेवाकेंद्र पर सात दिवसीय राजयोग मेडिटेशन कोर्स कर रहे हैं। दगड़ोजी देशमुख स्मृति भवन में आयोजित इस सेमीनार में माइंड एण्ड मेमोरी ट्रेनर बीके शक्तिराज ने राजयोग मेडिटेशन द्वारा फोबिया बस्टर, स्ट्रेस रीलिजिंग टेक्निक, अपनी समस्याओं को प्रभु अर्पण करना और प्रॉमिस टू गॉड जैसी एक्सरसाइज कराई। जिससे लोगों ने अपने मन को शांत होता हुआ और गम को छोड़ जीवन में खुशियों का स्वागत करता हुआ महसूस किया। लातुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नंदा, बीके पुण्या, कलबुर्गी सबजोन प्रभारी बीके विजया, सोशल विंग के नेशनल को-ऑर्डिनेटर बीके प्रेम आदि की विशेष उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

गूगल हमें मूल्यों की धारणा नहीं करा सकता : बीके प्राची

ब्रह्माकुमारीज़ में हुआ टच दी लाइट की टीचर्स का सम्मान

शिव आमंत्रण ■ भिलाई नगर

गुगल में एक शब्द टाईप करने से उससे संबंधित सारी जानकारियां प्राप्त हो जाती है, लेकिन गुगल हमें सही-गलत की पहचान, गुणों और मूल्यों की धारणा नहीं करा सकता। उक्त बातें टच दी लाईट कार्यक्रम की टीचर्स बहनों के सम्मान समारोह में बीके प्राची ने सेक्टर-7 के पीस ऑडिटोरियम में कहीं। उन्होंने बताया कि भिलाई के विभिन्न स्कूलों में गत 8 वर्षों से संचालित टच दी लाईट कार्यक्रम संस्थान द्वारा संचालित हो रहा है। जिसमें सभी स्कूलों के बच्चों और टीचर्स द्वारा प्राप्त फीडबैक से ज्ञात हुआ कि उनके एकाग्रता में वृद्धि हुई तथा उनकी आदतों में सकारात्मक परिवर्तन आया। टच दी लाइट कार्यक्रम के तहत् क्लास कराने वाली टीचर्स बहनें निरूपमा दत्ता, कल्पना शिरपुरकर, सुनीता तिवारी, अनिता अग्रवाल, बी. निर्मला, शिखा भटनागर, माया साहू, आरती राय का सम्मान भिलाई सेवाकेन्द्र की संचालिका बीके आशा द्वारा मेमेंटो भेंट कर किया गया। भिलाई के कई स्कूलों में पिछले 8 वर्षों से ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे टच द लाईट प्रोजेक्ट के अंर्तगत कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिससे उनमें एकाग्रता की शक्ति बढ़ने के साथ ही संस्कारों में भी परिवर्तन आया है। कार्यक्रम के दौरान बीके गीता, माधुरी, तारिका, स्नेहा, साक्षी एवं रागिनी ने किया।

सम्मानित टीचर्स के साथ बीके बहनें।

महिला कैदियों ने लिया राजयोग का प्रशिक्षण

शिव आमंत्रण, इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद के केंद्रीय जेल नैनी में महिला कैदियों के लिए सात दिवसीय राजयोग शिविर का आयोजन किया गया। डिप्टी जेलर रंजू शुक्ला के सहयोग और ब्रह्माकुमारीज़ के कीडगंज सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित इस शिविर में बीके बहनों ने महिला कैदियों को मूल्यों की धारणा से स्वपरिवर्तन करने के लिए प्रेरित किया। शिविर के दौरान कई महिलाओं ने इस ईश्वरीय ज्ञान को अपने जीवन में उतारने को संकल्प लिया।

ईश्वरीय नियम बनाते हैं जीवन को सुखी

शिव आमंत्रण, माऊण्ट आबू। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में संगठन के चिकित्सा सेवा प्रभाग के तत्वावधान में माइंड, बॉडी, मेडिसन विषयों को लेकर सम्मेलन आरंभ हुआ।

सम्मेलन के उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए इंदौर मेडिकैप विश्वविद्यालय के कुलपति रमेश मित्तल ने कहा, कि परमात्मा जो सर्वोच्च चिकित्सा वैज्ञानिक है यदि मनुष्य उसके बनाए नियमों का पालन करे तो जीवन में कभी भी दु:ख अशांति आ ही नहीं सकती। ईश्वर का घर वह रूहानी अस्पताल है जहां तन के साथ मन की सभी बीमारियों का स्वत: ही उपचार हो जाता है। ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से दिया जा रहा ज्ञान न केवल समाज के सभी भेदभाव को मिटाता है बल्कि अनेक प्रकार की तनावजन्य व्याधियों से निजात दिलाने में भी सक्षम है। ओडिशा समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष श्रीमती लतिका प्रधान ने कहा, कि संसार में भौतिक चक्षुओं से जो कुछ दिखाई देता है वह वास्तविक नहीं है। मनुष्य राजयोग के माध्यम से स्वयं की वास्तविकता से परिचित होंगे ज्ञान सरोवर की निदेशिका डॉ. निर्मला ने कहा, कि चिकित्सा वैज्ञानिक मरीजों को औषधि के साथ ईश्वर से जुड़ना जरूरी है। अवेकनिंग विद् ब्रह्माकुमारी फेम बीके शिवानी ने भी उपस्थित सभा को सम्बोधित किया। लेकिन परिवर्तन के लिए सबसे जरूरी है दृढ़ प्रतिज्ञा कि....वह है आई वांट टू चेंज। डा बनारसी, गिरीश पटेल समेत कई लोग उपस्थित थे।

मेडिसीन सम्मेलन को संबोधित करते रमेश मित्तल।

मन की सफाई से होगा लक्ष्मी का वास

दीपावली भारत का सबसे ज्यादा मनाया जाने वाला त्योहार है। दीपवाली भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह पर्व केवल दीपक जलाने तक ही नहीं सीमित है, बल्कि इसके आध्यात्मिक रहस्यों के साथ बहुत सारे संदेश छिपे होते है। इसके अन्तर्गत लोग अपने घरों की सफाई करते, दीपक जलाते तथा पूजन कर लक्ष्मी का आह्वान करते हैं। परन्तु इतना नहीं समझते कि एक तरफ लक्ष्मी का वाहन उल्लू को दिखाते हैं और दूसरी तरफ दीपक जलाकर लक्ष्मी का आह्वान करते हैं। परन्तु विचार करने की बात है कि जब उल्लू को रोशनी में कुछ दिखाई ही नहीं देता तो लक्ष्मी आयेगी कैसे? वह तो हमसे दूर ही रहेगी। परमपिता परमात्मा शिव आकर दीपावली का सच्चा-सच्चा रहस्य समझाया था, कि द्वापर से लेकर हर वर्ष दीपावली मनाते आये हो। लेकिन बजाय सम्पन्न होने के और ही कंगाल होते आये हो।

आत्मा का सजाये ज्ञान प्रकाश से

अतः परमपिता परमात्मा शिव कहते हैं कि घरों की सफाई करना या दीपक आदि जलाना तो साधारण-सी बात है। यदि हम वास्तविक लक्ष्मी को बुलाना चाहते है या श्री लक्ष्मी और श्री नारायण के राज्य की स्थापना करना चाहते हैं तो लक्ष्मी के समान दैवी गुण अपने जीवन में धारण करने होंगे। इसी के लिए परमपिता परमात्मा ने समझाया है कि हे मनुष्यात्माओं के 63 जन्मों से 5 विकारों रूपी मैला चढ़ा हुआ है। जब तक मनुष्य अपने आत्मा रूपी घरों से इन 5 विकारों रूपी मैल को नहीं निकालते अर्थात जब तक आत्मा को ज्ञान प्रकाश नहीं मिलता तब तक श्री लक्ष्मी और श्री नारायण का राज्य स्थापन नहीं हो सकता और सही अर्थों में दीपावली नहीं हो सकती है।

कार्तिक की अमावस्या को भारतवर्ष के घर-घर में प्रकाश दीप जगमगा उठते हैं और बाल-वृद्ध आनन्द से भर जाते हैं। सभी अपने-अपने घरों की तथा कपड़ों की सफाई करते हैं। व्यापारी वर्ग इस शुभ दिवस पर पुराने खाते को बन्द कर नया खाता खोलते हैं। मान्यता है कि धन की देवी श्री लक्ष्मी इस रात्रि में भ्रमण करती हैं और अलौकिक गृहों को धन-धान्य से परिपूर्ण कर देती हैं। अपने भाग्य की परीक्षा लेने के लिए लोग जुआ भी खेलते हैं। रात्रि के अन्तिम प्रहर में माताएं सूप की कर्कश ध्वनि से दरिद्रता को निकालती हैं तथा गाँव के बाहर सामूहिक रूप से उसे जला देती हैं।

क्या आपने कभी विचार किया है कि श्री लक्ष्मी के स्वागत के लिए प्रति वर्ष दीपमाला जला कर भी भारतवर्ष क्यों दरिद्र हो गया है? जगमगाते दीपों को देखकर भी श्री लक्ष्मी क्यों हमसे रूठ गयी हैं? जलते हुए दीप उनको आकृष्ट क्यों नहीं कर पाते? वे कौन -सा दीप चाहती हैं? वस्तुतः आत्मा ही सच्चा दीपक है। विकारों के वशीभूत हो जाने के कारण आत्मा का प्रकाश आज मलिन हो गया है। मनुष्य की अन्तरात्मा तमसाच्छन्न है। ऐसे विकारी मनुष्यों के बीच श्री लक्ष्मी का शुभागमन कैसे हो सकता है? लेकिन कितनी विडम्बना है कि आत्म-दीप प्रज्वलित कर कमल पुष्प सदृश अनासक्त बन कमलासीन श्री लक्ष्मी का आह्वान करने की जगह हम मिट्टी के दीप जला कर बच्चोंका खेल खेलते रहते हैं।

करें मन मंदिर की सफाई

मन-मन्दिर की सफाई करने की जगह बाह्य सफाई से ही हम खुश हो जाते हैं। तभी तो श्री लक्ष्मी हमसे रूठ गयी हैं। कमल सदृश बन कर हम कमला को प्राप्त कर सकते हैं। अमावस्या की काली रात्रि की तरह आज चतुर्दिक घोर अज्ञान अन्धकार छाया हुआ है। कहीं कुछ सूझ नहीं रहा है। मत मतान्तर के जाल में मानव मात्र भ्रमित है। सभी आत्माओं की ज्योति बुझ चुकी है। ऐसे समय में सदा जागती ज्योति निराकार परमपिता परमात्मा शिव सर्वात्माओं की ज्योति जगाने के लिए कल्प पूर्व की भांति इस धराधाम पर अवतरित हो चुके हैं और प्रायः लोप गीता ज्ञान तथा सहज राजयोग की शिक्षा दे रहे हैं।

परमात्मा जला आत्मा की ज्योति

निर्विकारी बन उस सदा जागती ज्योति से अपनी आत्मा का दीपक जगा कर ही हम सच्ची दीपावली मना सकते हैं। तब ही इस देव भूमि भारतवर्ष पर श्री लक्ष्मी-श्री नारायण के दैवी स्वराज्य की पुनर्स्थापना होगी जहाँ रत्न जड़ित स्वर्ण महल होंगे और घी दूध की नदियाँ बहेंगी। इस युगान्तरकारी घटना की पावन स्मृति में ही हम दीपावली का त्योहार मनाते हैं। इस अवसर पर सदा जागती ज्योति निराकार परमात्मा शिव का प्रतीक एक बड़ा दीप जलाया जाता है और उसी से अन्य दीपकों की ज्योति जलाई जाती है। अन्य किसी देवता के मन्दिर में सदा दीप नहीं जलता है लेकिन आज भी भगवान् विश्वनाथ के मन्दिर में अनवरत दीप जलता रहता है क्योंकि एक मात्र निराकार परमात्मा शिव ही सदा जागती ज्योति हैं।

सबसे जरूरी है हमारी आंतरिक व्यवस्था का सही होना

जीवन प्रबंधन

हमारा काम-धंधा सही नहीं इसलिए हमारा चिंता करना स्वाभाविक है, पर अगर हम चिंता ही करते रहेंगे तो बाकी बचे काम भी सही तरह से नहीं कर पाएंगे। अगर हम चाहते हैं कि बाहरी तौर पर हमारे सारे काम सही तरह से पूरे हों तो हमारी आंतरिक अवस्था का सही होना बहुत मायने रखता है। पर इससे भी अहम बात यह है कि भले ही हमारी हालात बुरे क्यों न चल रही हो, कम से कम हम अपना ध्यान तो रख ही सकते हैं।

सुरेश ओबेरॉय : तब हम और पाना चाहते हैं, और प्राप्त करो, और प्राप्त करो, और प्राप्त करो बस यही हमारे जीवन का मूल मंत्र हो जाता है। हम इसके जाल में उलझकर रह जाते हैं। हम घर जाकर कहते हैं माफ करना। मैं इस तरह बार्तव कर रहा हूं। रात को देर से घर आ रहा हूं, सब की परेशानी का कारण बन रहा हूं पर मेरे लिए इस लक्ष्य को पाना बहुत जरूरी है

सिस्टर शिवानीः यदि आपने छह माह का कोई लक्ष्य तैयार किया है तो पूरे छह माह तक आप लगातार खूद को कष्ट देते रहे हैं भावात्मक तौर पर ठेस देते पहुँचाते रहे हैं।

सुरेश ओबेरॉयः इसका मतलब तो यह हुआ कि हम केवल प्रसन्नता को ही स्थगित नहीं कर रहे, हम इस दौरान अपने लिए अप्रसन्नता या उदासी को भी न्यौता देते रहे हैं। यह सब कई गुना होकर सामने आने वाला हैं।

सिस्टर शिवानीः बिलकुल ठीक, पहले छह माह में अपने लक्ष्य तक जाने के लिए मैं कई बार आहत हुई, मैंने अपने पास नकारात्मक भावनाओं को जन्म दिया, लोगों के दिल को चोट पहुँचाई। अब अगले लक्ष्य की यात्रा के दौरान, हमारी ताकत पहले से बहुत कम हो चुकी हैं। अब भी वही वातावरण है, वही लोग, वही हालात पर दुर्बल भावात्मक अवस्था का मतलब होगा कि हम फिर से खुद को आहत करने, दुःख देने के लिए तैयार हैं।

सुरेश ओबेरॉयः क्या यह भावात्मक ताकत है?

सिस्टर शिवानीः यह हमारी परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति है। हम बहुत आसानी से आहत हो जाएँगे, अधिक प्रतिक्रयात्माक हो जाएँगे। खीझ जाएँगे।

सुरेश ओबेरॉय : आपको नहीं लगता कि ये सब बातें हमें शरीरिक तौर पर भी कमजोर बनाती हैं?

सिस्टर शिवानी : यह आपके शरीर पर भी बहुत बुरा असर डालती हैं। पर जब हम युवावस्था में होते हैं तो हमें इसका ज्यादा असर दिखई नहीं देता और हमें लगता हैं कि यह बिलकुल उचित है, यही स्वाभाविक है, यही जीने का एक तरीका है। आगे चलकर, हमारे शरीर में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज और इसके जैसे अन्य रोगों के लक्षण उभरने लगते हैं। चूँकि हम तनाव को अपने जीवन का अंग मान लेते हैं इसलिए ये शारीरिक लक्षण भी हमें जरूरी लगने लगते हैं।

सुरेश ओबेरॉय : हम अभी तक इस बात की तरह में नहीं जा पा रहे कि किसी इंसान को अपना लक्ष्य पाए बिना पाए बिना भी खुशी कैसे मिल सकती है? वह तो आपनी असफलता और बहुत सारी समस्याओं के साथ घर लौटता है।

सिस्टर शिवानीः मान लेते हैं कि आप नौकरी की तलाश में हैं और आप पिछले छह माह से इसकी तलाश कर रहे हैं। आपको कहीं काम नहीं मिल रहा, आपका मन बहुत हताश और निराश हैं। एक दोस्त होने के नाते, आप ऐसे ही स्थिति में किसी को क्या दिलासा देंगे?

सुरेश ओबेरॉयः चिंता मत करो, ऐसा होता है। एक दिन आपको नौकरी अवश्य मिलेगी। इस दौरन अगर किसी मदद कीजरूरत हो तो मुझे जरूर बताना ।

सिस्टर शिवानीः अगर आपको जवाब मिले के मैं चिंता कैसे न करूँ, मुझे पिछले छह से काम नहीं मिल रहा , तब आप क्या कहेंगे?

सुरेश ओबेरॉयः क्या चिंता करने से नौकरी मिल जाएगी ?

सिस्टर शिवानी : सही जवाब, बस यही जवाब हमें अपने-आप को देना होगा। क्या चिंता करने से मुझे नौकरी मिल जाएगी?

सुरेश ओबेरॉयः- पर ये बात कहना बड़ा आसान है...

सिस्टर शिवानी : पर यही तो इसका समाधान है। हम जितनी अधिक चिंता करेंगे, हमारा मन उतना ही कमजोर होता जाएगा, यह हमारी शरीरिक भंगिमा और हाव-भाव में भी दिखाई देने लगेगाः हमारा सारा उत्साह जाता रहेगा और मन में लगातार यही सोच घूमने रहेगी कि नौकरी कैसे मिलेगा? अगर हमें नौकरी पानी है तो इसके लिए हममें आत्मविश्वास चाहिए, हमें अपने भीतर जोश लाना होगा, अपनी नई नौकरी से मिलने वाली चुनौतियों का क्या हुआ, फर्क इस बात से पड़ेगा कि अब आपको क्या करना है-हमारे मन की अवस्था कैसी होनी चाहिए। हमें इन सभी बातों का ध्यान रखना होगा वरना हम नकारात्मक के दुष्चक्र में घिर कर रह जाएंगे। अब किसी ऐसे व्यक्ति को काम पर कौन रखना चाहेगा, जिसने जिंदगी में सारी आस ही छोड़ दी हो या जिसके मन में काम के लिए कोई उत्साह ही न हो? आपके हिसाब से क्या कोई ऐसे व्यक्ति को नौकारी देना चाहेगा जिसने अपनी सारी अंदरूनी ताकत और सहनशक्ति गँवा दी हो, जो लोगों का साथ न निभा सकता हो, जिसमें लोंगों के साथ मिलकर काम करने की सामूहिक भावना ही समाप्त हो गई हो? ऐसे आदमी को भला कौन काम करने की सामूहिक भावना ही सामाप्त हो, जिसमें लोगों के साथ मिलकर काम पर रखना चाहेगा? तो चाहे जो भी हालात हों या कितनी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति क्यों न हो, जब तक हम अपना खयाल स्वंय नहीं रखते, तब तक हमें किसी भी समस्या का हल नहीं मिलने वाला। अगर हम चाहते हैं कि बाहरी तौर पर हमारे सारे काम सही तरह से पूरे हों तो हमारी आंतरिक अवस्था का सही होना बहुत मायने रखता है।

सुरेश ओबेरॉय : मेरे एक गुरू थे, जिंन्होंने मुझे एक ऐसे आदमी का किस्सा सुनाया था, जिसे एक मुकदमे के चक्कर में बहुत लंबा संघर्ष करना पड़ा इस दौरान वह अपनी बीमार पत्नी के लिए भी बहुत परेशान रहा। आखिरकार, पंद्रह साल बाद वह मुकदमा जीत गया और उसकी पत्नी भी रोगमुक्त हो गई। फिर वह स्वंय बीमार पड़ा और चल बसा। यह प्रसंग जानने- बूझाने के बावजूद, मेरे लिए वह समझना इतना कठिन क्यों हो रहा है, जो आप अभी बता रही है?

सिस्टर शिवानीः यह सारी बात जीवन की प्राथमिकताओं से जुड़ी है। जीवन में आपकी जिम्मेवारियाँ क्या हैं? आमतौर पर आप इस सूची में अपने परिवार, नौकारी, काम------

हर परिस्थिति में शांत रहना सीखें

समस्या-समाधान

प्रश्न : मेरे परिवार मे दो छोटें बच्चे है पतिदेव है सासु माँ है और ससुर जी भी है कई बार सासु माँ के साथ अनबन होता रहता है जिसका गुस्सा मैं बच्चे पर निकाल देती हूँ और पति देव पर भी निकाल देती हूँ, सासु माँ से लाख चाहने के बाद भी हमारी ताल मेल नहीं बन पा रही है उनके विचार अलग है और मेरे विचार अलग है पर मुझे लगता कि मैं सही हूँ और वो जो कह रही है वो गलत है आज के दौर के हिसाब से लेकिन फिर भी यहाँ पर जो उनके साथ जो अनबन है वो ठीक नहीं हो पा रही है तो कैसे हम यहाँ पर समझौता करे।

उत्तर : अब इनको यही सोचना है कि मुझे ठीक करना है क्योकि ज्ञान इनके पास है दुसरे व्यक्ति का संस्कार कैसा भी हो, विचारों का भेद तो इस संसार में चलता आता है लेकिन बात यही है कि उनके विचारों के साथ अपनी विचारो का सवनमय या हारमॉनी कर देना, सास सोचती होगी घर का मालिक मैं हूँ मैं जो आदेश दू वो बहू को पालन करना है और बहु को कई चीजे प्रिय नहीं लगती होगी ये घर-घर मैं ये बात होती रहती है तो यहां इनको बड़ा बनकर, क्योंकि रियलाईज ये कर रही है, उसको रियलाईजेसन होगा नहीं होगा वो तो वो जाने, ये रियलाईज कर रही है कि गड़बड़ हो रही है इससे बच्चो पर मेरा गुस्सा उतरता है और पति पर उतरता है वो सोचते होगें हमने तो कुछ किया नहीं तो हम पर गुस्सा क्यों हो रही है, तो नुकसान हो रहा है और उतारना भी इसको जरूरी है नहीं तो ये टेशन लेकर घुमती रहेगी कहे किसको, यही विधि अपनायें, उसके लिए रोज सवेरे संकल्प करे कि बहुत अच्छी आत्मा है, मेरी अच्छी मित्र है, है तो मुझसे बड़ी ही न मुझे उसकी कुछ बात मान लेनी चाहिए, मुझे थोड़ा झुक कर चलना है, मुझे उसको सम्मान देना है, ये बहुत अच्छी आत्मा है सवेरे उठ के ये संकल्प करेगी तो निश्चित रूप से उसमे परिवर्तन होगा लेकिन इनमें परिवर्तन अवश्य करना है कि बड़ो को थोड़ा सम्मान देना भी है, उनकी हर बात को काटने के बजाय हाँ मे हाँ मिलाना, मैं तो ये कहूँगा एक सप्ताह उनकी हर बात को हाँ करने लगो भले आपको लगता हो ये गलत कह रही है लेकिन उनकी हर बात को प्रशंसा करने लगो, देखो एक सप्ताह में कैसे खेल बदलने लगता है।

प्रश्न : नोट बंदी पर बहुत सारे विचार लोगों के आ रहे है कई इसे अच्छा मानते है, कई इसे बुरा मानते है तकलीफ तो हमें भी हो रही है आपके विचार जानना चाहते है कि आप इस पर क्या कहेंगे इसे हम सहज रूप से ले ये पॉजिटीव है या निगेटिव है आध्यात्म इस पर क्या कहता है।

उतर– नोटबंदी तो हो गई अब वो पार्ट तो पूरा हो गया, कोई भी कदम उठाया जाता है प्राईम मिनीष्टर इंदरा गांधी ने कभी हजार का नोट बंद किया था तब भी हाहाकार हुआ था, होता है लेकिन मै देखता हूँ कि इन लोगों के मन में भारत के भविष्य को लेकर जो विज़न है ये वो उस विज़न को पूर्ण करने के लिए कार्य कर रहे है, हम बाहर देख के आये है विदेशों मे तो ऐसे ही कैसलेस पेमेन्ट होते है तो काफी अच्छा रहता है कि पैसा लेकर चलने की जरूरत नही होती, चोरी का डर नही सब कुछ ठीक ठाक होता है सरकार को भी टैक्स अच्छी तरह से प्राप्त होता है। तकलीफ तो हुई, हमारे संस्था में भी लेबर के पेमेन्ट में कटौती करना पड़ा, भोजन में भी थोड़ा इकॉनोमी करना पड़ा, बहुत सारी कठिनाई हुई है लेकिन थोड़ा कठिनाईयों को सहना पड़ता है, अब वो भी भारत के भविष्य को कुछ अच्छा देखना चाहते है बनाना चाहते है इससे भ्रष्टाचार, ब्लैक मनी पे रोक लगेगी ये अच्छी बात है, इसमे कोई शक नही कि लोगो को बहुत कठनाई हुई है, पैसे के बिना लोगों ने जीवन यापन किया है। मै तो सोचता हुँ ये भी बहुत अच्छी तैयारी है कि भविष्य मे कम पैसा हो, दाल रोटी खानी पड़े साधनो के बिना चलना पड़े तो भी सहज हो जाए तो जो हो रहा है सब ठीक हो रहा है कुछ समय के बाद गुड रिजल्ट सामने आएगें जब सब सीख जाएगे ना कैशलेस, सब सीख जाते है जैसे सब लोग मोबाईल चलाना सीख गये उसी प्रकार कैशलेस भी सीख जाएगे फिर एक सुन्दर भविष्य आयेगा।

प्रश्नः बाबा के वर्तमान प्रेरणाये क्या है कुछ समय पहले बाबा ने मुरली चलाई आप अपने आप को पूरी तरह एकाग्र करो आधे घण्टें भी करो एक घण्टे भी करो तो ये तो बड़ी सी बात हो गई साधना के लिए हम तो एक मिनट भी अपने आप को पूरी तरह एकाग्र नही कर पाते है। यदि ऐसी लम्बी एकाग्रता प्राप्त करनी हो तो कैसे करें और बाबा के वर्तमान प्रेरणाओ पर भी प्रकाश डालें।

उत्तर : निश्चित रूप से बहुत बड़ी बात ये आयी है इससे पहले भी ईश्वरीय महावाक्य ये बातें बहुत बार सुनी गयी है कि अपने मन बुद्धि को किसी भी स्वरूप पर लम्बा समय स्थिर कर सको जब चाहो मान लो परिस्थित है तब, रात को दिन में सवेरे दोपहर शाम जो भी समय मे हो दस मिनट चाहो अपनी मन बुद्धि को स्थिर कर सको जो ऐसे लम्बे काल के अभ्यासी होगे वही लम्बे काल के राजअधिकारी बनेगे तो इसपे बाबा ने बहुत फोकस किया इससे साइलेंन्स पॉवर इकट्ठी होगी इससे चमत्कारीं शक्ति आत्मा में आ जायेगी जिससे वो विश्वकल्याण के कार्य मे मुख्य भुमिका निभा सकते है बाबा की जो प्रेरणाये है वे यही है अब समय समाप्ति की ओर जा रहा है अब ये विश्वपरिवर्तन का कार्य कुछ भयानक रूप लेने जा रहा है क्योंकि जो कुछ नहीं है वो आयेगा जो कुछ है वो नहीं रहेगा सब परिवर्तन हो जायेगा हर तरह से चाहे इकोनोमिकली हो समाजिक हो धार्मिक हो आध्यात्मिकता के आधार पर हो या प्युरिटिज़वाईज हो या मनुष्य के मोरलवैल्युज के आधार पर हो और वर्तमान में धरा पर आकाश में ग्रहो में बहुत बड़ा परिवर्तन आने जा रहा है तो इसके लिए शिव बाबा चाहते है मेरे बच्चे तैयार हो जाये ऐसा नही कि संसार जब कष्टों से गुजरे तो मेरे बच्चे भी कष्टो में हो जब संसार में भय व्याप्त हो तो मेरे बच्चे भी भयभीत होकर घर में छुपे हुए हो, हमें सब के भय निकालने है हमें सबको रास्ता दिखाना है सबको बायब्रेशन देकर मदद करनी है इसकी तैयारी चाहते है बाबा, इसलिए बहुत अच्छी-अच्छी बातें आ रही है इसलिए मन को डांस कराओं। मन को शांत करो, मन को पॉवरफुल बना दो ये बहुत जरूरी है। जो आत्मिक स्वरूप का बहुत अभ्यास करते है जो दुसरो को आत्मा देखने का अभ्यास करते है उनके लिए एकाग्रता शब्द सहज हो जाता है जो आत्मा स्वमान में बहुत अच्छी तरह स्थित रहती है उनके लिए भी ये साधनाऐं बहुत अच्छी हो जाती है इसके लिए मनुष्य को अन्तंरमुखी होना चाहिए बहुत संतुष्ट, मैं-पन से मुक्त बहुत सरलचित ताकि उसका मन भटके नहीं और सदा शांत तथा स्थिर रहे।

सूचना

सामाजिक सेवाओं तथा आन्तरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक शिव आमंत्रण समाचार पत्र एक सम्पूर्ण अखबार है। जिसे आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है। यही हमारी ताकत है।

वार्षिक मूल्य	:	**90 रूपये**
तीन वर्ष	:	**260 रूपये**
आजीवन	:	**2200 रूपये**

पत्र व्यवहार का पता

संपादकः ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-307510 , आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही, राजस्थान
मो.8769830661, 9413384884
Email: shivamantran@bkivv.org,
bkkomal@gmail.com

खुशी भौतिक पदार्थों से नहीं, आध्यात्मिकता से मिलेगी

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की 80वीं सालगिराह पर न्यायाधीश रामा सुब्रमणियम के विचार

शिव आमंत्रण ■ चेन्नई

विश्व में 133 देशों में आध्यात्म और राजयोग का कुशलता पूर्वक प्रचार-प्रसार करने वाली ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की 80वीं सालगिराह के उपलक्ष्य में चेन्नई के हैप्पी विलेज रिट्रीट सेंटर पर दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर पूरे राज्य से लगभग 600 प्रख्यात हस्तियों ने भाग लिया और शिवध्वज फहराकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हैदराबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रामा सुब्रमणियम ने अपने उद्घाटन

शिवध्वज फहराकर संस्थान की 80वीं सालगिराह का आगाज करते अतिथि।

भाषण में बताया कि खुशी भौतिक पदार्थों से प्राप्त करने वाली चीज़ नहीं बल्कि आध्यात्मिकता द्वारा स्वयं में प्राप्त करने वाली चीज़ है। साथ ही कैंसर इंस्टीट्यूट की चेयरमेन पद्म विभूषण डॉ. वी. शांता ने संस्थान द्वारा स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन की मुहीम की सराहना की। इस दौरान संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी को संबोधित करते हुए हर कर्म को सर्वोच्च सत्ता निराकार परमात्मा शिव की याद में करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता के तौर पर माउंट आबू से आयी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके उषा ने महाभारत के वृत्तांत की स्मृति दिलायी जिसमें श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपने स्वधर्म में स्थित होने का उपदेश दिया।

इस दौरान तमिलनाडु सरकार के पूर्व सचिव आइ.ए.एस डॉ. जी सैंथानम, तमिलनाडु ज़ोन की सर्विस कार्डीनेटर बीके बीना, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके कलावती, बीके मुथुमनी, बीके देवी ने भी अपने अनुभवों से सभी को लाभान्वित किया।

अंत में 'मेरा चेन्नई शांतिपूर्ण चेन्नई' अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के तहत छह मास की अवधि में विभिन्न क्षेत्र से जुड़े लोगों को आंतरिक शांति का अनुभव करने के लिए संस्थान के सदस्य जागरूक करेंगे जिससे लोगों को रहने के लिए एक शांतिपूर्ण माहौल मिल सके।

अधर्म से धर्म की तरफ ले जा रही है संस्था : बाबा रामदेव

छत्तीसगढ़ के पतंजलि अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए कार्यक्रम

शिव आमंत्रण ■ भिलाई

छत्तीसगढ़ के पंतजलि आयुर्वेद लिमिटेड प्रोडक्ट्स के डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए भिलाई के राजयोग भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें योग गुरू स्वामी बाबा रामदेव समेत छत्तीसगढ़ के पतंजलि के सभी डिस्ट्रीब्यूटर्स और पदाधिकारी उपस्थित थे। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आशा, बीके गीता और बिलासपुर के टिकरापारा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजू ने भव्य स्वागत किया।

बीके कमला ने दिव्य गुणों से अपने जीवन को संवारने के लिए सर्व गुणों व सर्व शक्तियों के दाता

भिलाई सेवाकेंद्र पर सदस्यों के साथ बाबा रामदेव।

निराकार परमात्मा शिव से राजयोग द्वारा शक्तियां लेने का आहवान भी किया।

इस दौरान बाबा रामदेव ने भी अपने वक्तव्य में बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ से मेरा पुराना संबंध हैं और यह संस्था लोगों को भोग से योग की ओर, अधर्म से धर्म की ओर ले जाने के साथ आत्मा को उसके मूल पिता परमात्मा से जोड़ने का जो महान कार्य कर रही हैं वह सराहनीय है। अंत में बीके बहनों ने बाबा रामदेव को स्नेह व पवित्रता का प्रतीक रक्षासूत्र बांधा ।

स्लम सेवा प्रोजेक्ट का प्रथम वार्षिकोत्सव

शिव आमंत्रण, जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर में दिव्य नगरी स्लम सेवा प्रोजेक्ट के प्रथम वार्षिकोत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उद्योगपति बेली बोधनबाला, समाजसेवी बालमुकुंद गोयल, मारवाड़ी महिला मंच की पूर्व अध्यक्ष लता अग्रवाल, के.पी. इंटर कालेज के प्राचार्य ए.के. मिश्रा, दिव्य नगरी प्रोजेक्ट के प्रिंसीपल मोहन लाल एवं बीके अंजू समेत अन्य सम्माननीय लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर बेली बोधनबाला ने कहा कि बच्चों को भौतिक शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों की शिक्षा देना भी जरूरी है। संस्कार निमार्ण का यह कार्य संस्थान बेहद रूचि से कर रहा है। लता अग्रवाल ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का उदाहरण देते हुए स्लम के बच्चों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर बच्चों ने अनेक रंगारंग प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया। अंत मे अतिथियों ने मेधावी बच्चों को पुरस्कार भी प्रदान किए।

युवा अपना लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें

शिव आमंत्रण ■ सोलन

हिमाचल प्रदेश में सोलन के स्थानीय सेवाकेंद्र पर लाइफ स्किल एजुकेशन कैंप का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रुप में सोलन शहर के एस पी मोहित चावला, नगर पालिका अध्यक्ष देवेंद्र ठाकुर ने शिरकत की। एस पी मोहित चावला ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, कि जो भी आप सभी यहां से सीख कर जा रहे हैं उसे अपने जीवन में जरूर अपनायें तथा लक्ष्य को लेकर ही आगे बढ़े । ब्रह्माकुमारीज़ युवा प्रभाग के कोऑर्डिनेटर बी के अरुण

बीके अरुण को सम्मानित करते अतिथि

ने सात दिवसीय कैंप मे करवाई गई सभी गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया । सेंटर प्रभारी बीके सुषमा ने सभी युवाओं को जीवन में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी। तथा सभी युवाओं से इस कैंप में जो भी सिखाया गया उसे अपने जीवन में व्यवहारिकता में लाने के लिए प्रेरित किया।

संस्था की गतिविधियों से हुए अभिभूत

शिव आमंत्रण ■ गोरखपुर

उत्तर प्रदेश के विधान सभा स्पीकर ह्रदयनारायण दीक्षित एक दिवसीय दौरे पर गोरखपुर पहुंचे। गोरखपुर के शाहपुर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके पारूल ने उनसे मुलाकात कर संस्था के गतिविधियों की जानकारी

दी तथा माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया। इसके पश्चात ईश्वरीय सौगात भेंट की।

कश्मीर के राजौरी में बीएसएफ के जवानों के लिए तनाव मुक्त तथा जीवन प्रबन्धन के तरीके बताये 'ये। फिटनेस ट्रेनर बीके दिनेश तथा फरीदाबाद की बीके पूनम तनावों व्याख्यान के बाद ग्रुप फोटो में।

राष्ट्रीय समाचार

'नगर बंधु' अवार्ड से बीके तपस्विनी सम्मानित

शिव आमंत्रण, भुवनेश्वर। ओड़िशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने अध्यात्म द्वारा समाज में की गयी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए भुवनेश्वर के बीजेबी नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके तपस्विनी को 'नगर बंधु' अवार्ड से सम्मानित किया। नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यह अवार्ड दिया गया। जिसमें कई विभागों के मंत्री समेत मेयर और कमिशनर भी मौजूद थे।

वरिष्ठजनों ने किया बीके रानी को सम्मानित

शिव आमंत्रण, सहारनपुर। उत्तरप्रदेश के सहारनपुर में सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसायटी द्वारा स्नेह मिलन का आयोजन किया गया जिसमें ब्रह्माकुमारीज़ से मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित बीके रानी को समाज में परमात्म ज्ञान एवं राजयोग का प्रचार-प्रसार करने, समाज के विभिन्न क्षेत्रों को नशामुक्त बनाने तथा अन्य समाज कल्याण के कार्यों के लिए नगर के वरिष्ठ नागरिकों द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

बीके श्यामला का सम्मान

शिव आमंत्रण, चिंतामणी। कर्नाटक के चिंतामणी में नेशनल फेस्टीवल्स वेलफेयर एसोसिएसन, कन्नड़ कल्चरल डिपार्टमेंट एवं बैकवर्ड वेलफेयर एसोसिशन के संयुक्त तत्वाधान में आध्यात्मिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें चिंतामणी सेवाकेंद्र प्रभारी श्यामला को विशेष तौर पर आंमत्रित किया गया। गुरूभवन में संपन्न हुये इस कार्यक्रम में बीके श्यामला को क्षेत्र में की जा रही उत्कृष्ट सेवाओं के लिए नगर के वरिष्ठ लोगों ने सम्मानित किया। इस दौरान विधायक कृष्ण रेड्डी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

शत्रुघ्न सिन्हा ने जानी संस्थान की गतिविधियां

शिव आमंत्रण, पटना। तीन दशकों तक हिंदी फिल्मों में अपने अभिनय के जरिए लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले जाने-माने अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा बॉलीवुड के पहले ऐसे अभिनेता हैं जिन्होंने फिल्मों के साथ-साथ राजनीति में भी एक सफल पारी खेली और बिहार के पटना साहिब में भारतीय जनता पार्टी के सांसद बने। बिहारी बाबू के नाम से मशहूर सुपर स्टार शत्रुघ्न सिन्हा से पटना की निदेशिका बीके संगीता और बीके रवींद्र ने मुलाकात की और उन्हें संस्थान के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए माउंट आबू में आयोजित राजनीतिक प्रभाग के सम्मेलन में आने के लिए आमंत्रित किया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। उन्होंने सम्मेलन में आने की खुशी जाहिर करते हुए अपनी मंजूरी दी है।

वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों से की मुलाकात

शिव आमंत्रण, जमैका। जमैका के किंग्सटन में फिनोलेक्स पाईप्स कप टी20 आई सिरीज़ के दौरान बीके भारती को वेस्ट इंडीज के खिलाड़ियों से मुलाकात करने का मौका मिला। नेशनल लेवल क्रिकेटर होरेन ने ब्रह्माकुमारी बहनों की सबिना पार्क क्रिकेट स्टेडियम में विजिट संभव कराई। जहाँ किंग्सटन में ब्रह्माकुमारीज़ से बीके भारती ने स्प्रीचुअल सर्विस के लिए क्रिकेटर्स से मुलाकात की। इस दौरान उनकी मुलाकात विंडीज़ क्रिकेटर टीम से पौवेल, वाल्टन और विंडीज़ टीम के कैप्टन कार्लोस से हुई, जिसके बाद बीके भारती ने उन्हें गॉडली गिफ्ट और स्प्रीचुअल मैसेज दिया। इस मैच के बाद बीके भारती ने इंडियन हाई कमिश्नर सेवाला नाईक के साथ सुनिता नाईक और इंडियन गवर्मेन्ट इंडस्ट्री सोल्युशन यूनिट के वाईस प्रेज़ीडेन्ट तथा हेड तनमय चक्रवर्ती से भी मिली। इस दौरान सेवाला नाईक ने इंडियन हाई कमीशन ऑफिस किंग्सटन में नियमित रूप से राजयोगा मेडिटेशन क्लासेज आयोजित करने की इच्छा ज़ाहिर की।

बेलारूस स्वतंत्रता दिवस पर लगाया वर्च्यूगेम्स का स्टॉल

शिव आमंत्रण, मिन्सक। बेलारूस का स्वतंत्रता दिवस मिन्सक में ब्रह्माकुमारीज़ तथा औक्टया ब्रिस्की जिला प्रशासन द्वारा गौरकी पार्क में मनाया गया। ब्रह्माकुमारीज़ ने बच्चों तथा अन्य लोगों के लिए वर्च्यु स्कोप स्टैण्ड गेम्स का स्टॉल लगाया ताकि उनकी आत्मा की आन्तरिक शक्तियों का विकास हो सके। इसके साथ ही बीके लुडमिला तथा प्रोफेशनल आर्टिस्ट श्वेता परस्कीविच के नेतृत्व में बच्चों के लिए ब्युटीफुल वर्ल्ड थीम पर मास्टर क्लासेज आयोजित की गई तो दूसरी ओर पीस इन द वर्ल्ड टोपिक पर बच्चों ने सड़क पर चित्र भी बनाए। कई स्थानीय और अन्य लोगों ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया और अपने फीडबेक्स दिए। जिसमें से टटियाना सरजीवना ने कहा, कि ब्रह्माकुमारीज़ बहुत अच्छा काम कर रही है तो वहीं दूसरी ओर टटियाना निकोलाविना का कहना था, कि दुनिया में शायद ही ऐसे लोग होंगे जो ब्रह्माकुमारीज़ की तरह मुफ्त में सेवा करते हो।

दादी की स्नेह भरी मुलाकात

शिव आमंत्रण, लंदन। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य प्रशासिका 102 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी और यूरोप सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके जयंति ने लंदन के हार्मनी हाउस में मिडलैंड्स के सदस्यों से स्नेह भरी मुलाकात की। ये मुलाकात मिडलैंड के बीके सदस्यों के लिए एक सुनहरी याद ही नहीं रही बल्कि दादी जी की असीमित शक्ति और निस्वार्थ प्रेम भरी दृष्टि ने उन्हें अंदर से सशक्त बना दिया। इसके साथ ही हार्मनी हाउस में बिल्डिंग टॉलरेंस विषय पर पब्लिक प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें यूरोप सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके जयंति ने टॉक शो के दौरान अपने अनुभवों से सभी को लाभान्वित किया।

60 वर्षों तक मानवता की सेवा एक अजूबा : लखनपाल

सहारनपुर सेवा केंद्र के 60 वर्ष

शिव आमंत्रण ■ सहारनपुर

देश और दुनिया में राजयोग ध्यान और आध्यात्मिक ज्ञान से विश्व बदलाव की मुहिम में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था पिछले अस्सी वर्षों से कार्य कर रही है। अस्सी वर्ष के उपलक्ष्य में सहारनपुर सेवाकेन्द्र के 60 वर्ष पूरे होने पर महाराणा प्रताप पार्क चन्द्र नगर में विशाल समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान के माउण्ट आबू समेत देश के कई हिस्सों के संस्था से जुड़े लोग शरीक हुए। सहारनपुर की धरती पर साठ वर्ष पूर्व राजयोग ध्यान और आध्यात्मिक ज्ञान के जरिये व्यक्ति बदलाव की नींव रखी गयी। यह समारोह उसके रजत जयंति का जश्न मनाने लिए आयोजित किया गया। सन् 1957 में जब इस सेंटर की नीवं संस्था के संस्थापक ब्रह्मा बाबा ने मानवीय सेवाओं के लिए डाली थी तब नहीं लगता था कि इतना लम्बा सफर पूरा कर यह सेंटर पूरे सहारनपुर की जनता के लिए दु:ख और अशांति में, सुख और शांति की अंचलि देगा... लेकिन सैकड़ों लोग जुड़े और अपने जीवन को इस कदर निखारा कि वे आज समाज के लिए उदाहरणमूर्त हैं।

दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

कार्यक्रम में आये लोगों को सम्बोधित करते हुए सांसद राघव लखनपाल शर्मा ने कहा, कि व्यक्ति को अन्दर से बदलकर सच्चा मानव बनाने का कार्य ब्रह्माकुमारीज़ संस्था कर रही है। माउण्ट आबू से संचालित सहारनपुर में पिछले साठ सालों से मानव विकास का कार्य कर रही है। यही ऐसा संस्थान है जो लोगों की जिन्दगी में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। बहनों के जीवन का समर्पण आज के युग में किसी अजूबे से कम नहीं है।

पहले खुद को बदलें

पंजाब-हरियाणा जोन के निदेशक तथा समाज सेवा प्रभाग के अध्यक्ष बीके अमीरचन्द ने कहा, कि जब व्यक्ति बदलेगा तभी समाज में बदलाव आयेगा। केवल हम दूसरों के बदलने के इंतजार में अपना समय बर्बाद कर देते है। जबकि यदि खुद का बदलाव प्रारम्भ कर दें तो यह कारवां समाज और राष्ट्र की ओर अग्रसर हो सकता है। पूरे विश्व का परिवर्तन परमात्म ज्ञान के बिना सम्भव नहीं है। आज के समारोह में यही संकल्प किया जाये कि हर कोई खुद के बदलाव के साथ दूसरों का भी भाग्य बनाने का प्रयास करे।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर पीके पांडेय व पुलिस अधीक्षक बबलू कुमार ने संस्थान को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ओम शांति रिट्रीट सेन्टर की सह निदेशिका बीके शुक्ला तथा व्यापार एवं उद्योग प्रभाग की अध्यक्षा बीके प्रेमलता ने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि अब समय है खुद को सुधारने का। यही एक रास्ता है जिससे व्यक्ति मनुष्य से देवता बन सकता है। कार्यक्रम में माउण्ट आबू से आये जनसम्पर्क अधिकारी तथा गॉडलीवुड स्टूडियो के पीस न्यूज के प्रभारी बीके कोमल, आवास निवास प्रभारी बीके देव ने शुभकामनाएं देते हुए कहा, कि आज के समय लोगों को सही मार्गदर्शन की जरुरत है। जिससे वे सही को सही और गलत को गलत पहचान सकें। इससे ही परमात्म प्राप्ति की ओर बढ़ सकते है। इस समारोह में चण्डीगढ़ से आयी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके अनिता, युवा प्रभाग के उत्तर भारत के संयोजक बीके अरुण, सहारनुपर प्रभारी बीके रानी, वरिष्ठ राजयोगी बीके महेश समेत कई लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

दो युवा बहनों ने लिया आजीवन सेवा का संकल्पः यह समारोह इसलिए भी खास था कि सहारनपुर की दो युवा बहनों, बीके रानी तथा बीके रजनी ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए अपने जीवन को मानवता की सेवा में हमेशा के लिए संस्थान में समर्पित कर दिया। इस मौके पर उनके माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धी समेत शहर के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने मन मोहा: समारोह के दौरान नन्हें-नन्हें बच्चों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में कोई कोर-
कसर नहीं छोड़ी। अपने मनमोहक प्रस्तुतियों से लोगों को भाव विभोर कर दिया।

आन्तरिक व बाहरी स्वच्छता से होता है सम्पूर्ण विकास : गहलोत

शिव आमंत्रण ■ दिल्ली

दिल्ली के रेडिसन ब्लू होटल में क्लीन सोसायटी हेल्दी सोसायटी विषय पर 9 दिवसीय अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्घाटन भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचन्द गहलोत, दिल्ली के स्वास्थ्य, उद्योग, उर्जा एवं शहरी विकास मंत्री सत्येन्द्र जैन, ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, समाज सेवा प्रभाग के अध्यक्ष बीके अमीरचन्द, खानपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आशा, पश्चिम विहार सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके सुषमा समेत कई विशिष्ट अतिथियों के कर कमलों से किया गया। स्वच्छ समाज से स्वस्थ समाज बनता है। यह हर किसी को अच्छी तरह पता है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने इसके प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए नौ दिवसीय अभियान का आयोजन किया। जिसमें बतौर मुख्यातिथि आये भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री थावर चन्द्र गहलोत ने कहा, कि आन्तरिक और बाहरी स्वच्छता से मन, बुद्धि और संस्कार का विकास होता है। यह ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग में शामिल है। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सत्येन्द्र जैन न इस पर सहमात जताते हुए अपने विचार रखे। सेवाकेन्द्र संचालिका बीके सुषमा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राजयोग को जीवन में शामिल करने की हमें अत्यन्त आवश्यकता है। इस अभियान द्वारा नोएडा, गुरुग्राम तथा फरीदाबाद में नौ दिनों तक लोगों में स्वच्छता और स्वस्थता के साथ नशामुक्ति के लिए जागरुक किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

ओम शांति उड़िया वेब चैनेल का उद्घाटन

शिव आमंत्रण, कटक। ओडिशा कटक के सुख-शांति भवन सेवाकेंद्र की 45वीं सालगिरह हर्षोल्लास से मनायी गयी। इस अवसर पर ओम शांति उड़िया वेब चैनल का उद्घाटन किया गया और जर्नी टू पैराडाईज बुक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में उड़ीसा के वित्त एवं उत्पाद शुल्क मंत्री शशिभूषण, प्रसिद्ध पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता बीके अरूण पंडा, सबजोन डायरेक्टर बीके कमलेश, बीके सुलोचना, बीके प्रतिभा समेत नगर के वरिष्ठ नागरिक तथा बड़ी संख्या में संस्थान के सदस्य उपस्थित थे। मंत्री शशिभूषण ने कहा, कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान पूरे विश्व में मनुष्य के आंतरिक विकास के लिए कार्य कर रहा है। इस दौरान बीके कमलेश ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month

सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित **संपादक:** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबर: आरजेएचआईएन/ 2013/53539**